स्कूल का
पहला दिन
प्राथमिक रंग
लाल
नीला
पीला

अक्कड़-बक्कड़
बंबे बो,
अस्सी नब्बे
पूरे सौ.
सौ में लगा धागा
चोर,
निकल कर भागा
केला
संतरा
अंगूर

नाम ही नाम

मेरा नाम सुहानी है।
तुम्हारा नाम क्या है ?

मेरा नाम ..... है।

मेरे शिक्षक/शिक्षिका का नाम ..... है।

उन चीज़ों के चित्र बनाओ जो तुम्हारी कक्षा में हैं। जैसे –

मैं सुहानी और तुम्हारा दोस्त हूँ। ज़रा सोचो मेरा नाम क्या हो सकता है?

अब पिछले पन्ने पर जाओ।
देखो, वहाँ क्या मिला, क्या नहीं मिला।

© NCERT not to be republished

यहाँ दो टोलियाँ हैं।
एक ऐसी टोली जिसके नामों में **म** आता है।
दूसरी ऐसी टोली जिसके नामों में **न** आता है।

बच्चों को सही टोलियों तक पहुँचाओ, जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

न की टोली

हेमा

मानू

राजन

नूनू

म की टोली

स्वामी

नीलू

माधवन

नीरजा

उमर

धना

मुरुगन

हमीदा

मोहित

अब तुम भी कक्षा में झटपट ऐसी टोलियाँ बनाओ।

अँगूठे की छाप

पहचाना इन्हें ? ये तुम हो और
तुम्हारा दोस्त। इनके नाम लिखो।

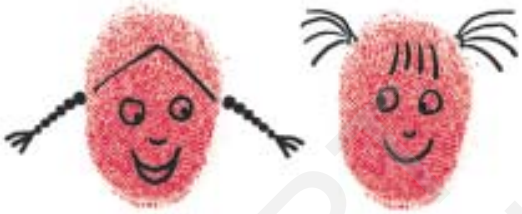

....

अँगूठे के अंदर
छिपा एक बंदर
उसका एक साथी
मोटा एक हाथी

पहचानो, अँगूठे की इन छापों में
और क्या-क्या छिपा है?

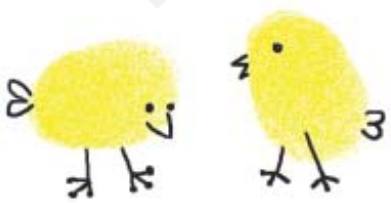

© NCERT not to be republished

अब इन अँगूठों की छाप में तुम भी कुछ जोड़ो।

आठ

कठपुतली

गठरी

चिड़िया

अनार

अपने अँगूठे की छाप से कुछ और बनाओ।

© NCERT not to be republished

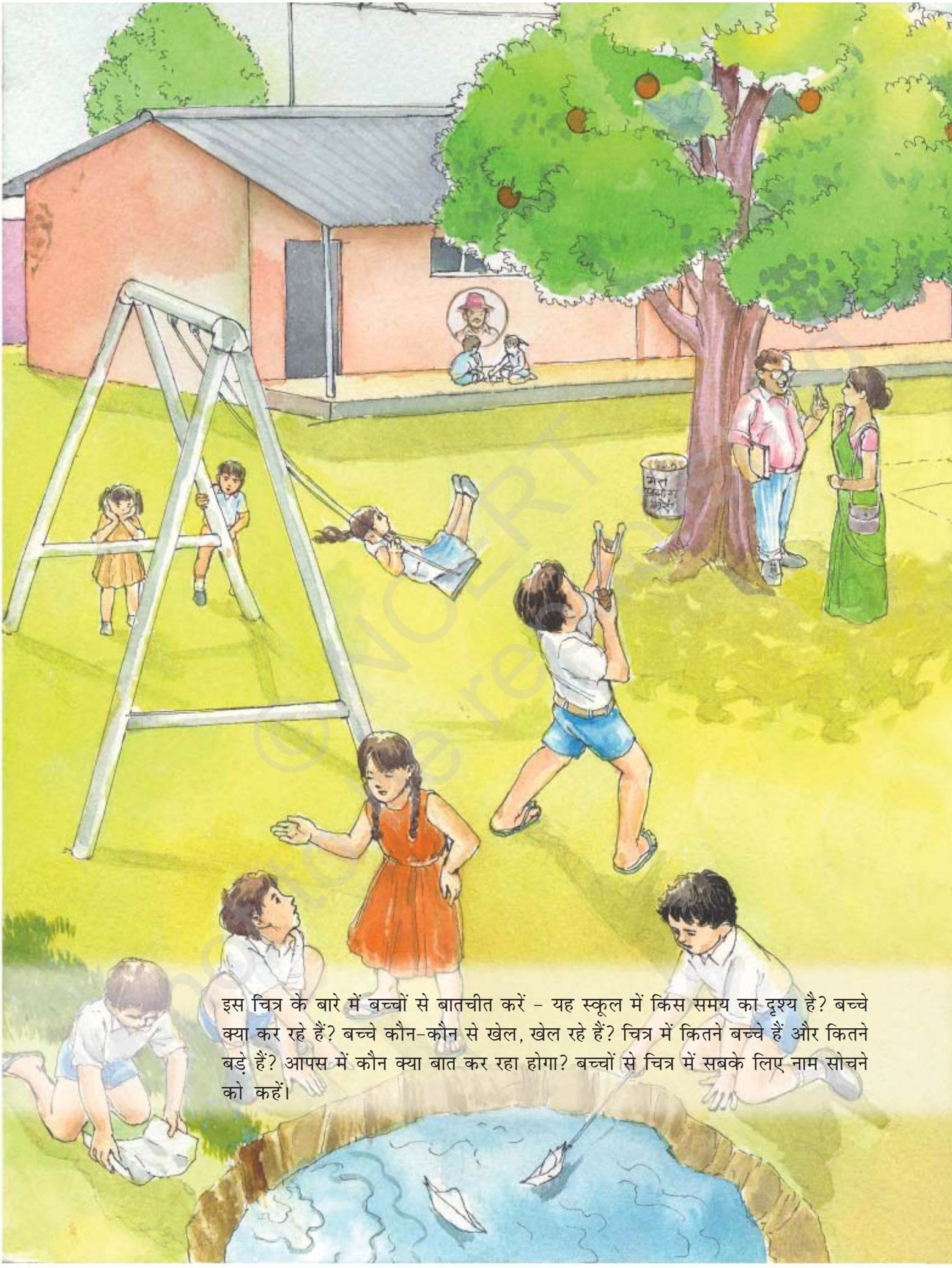

इस चित्र के बारे में बच्चों से बातचीत करें – यह स्कूल में किस समय का दृश्य है? बच्चे क्या कर रहे हैं? बच्चे कौन-कौन से खेल, खेल रहे हैं? चित्र में कितने बच्चे हैं और कितने बड़े हैं? आपस में कौन क्या बात कर रहा होगा? बच्चों से चित्र में सबके लिए नाम सोचने को कहें।

© NCERT not to be republished

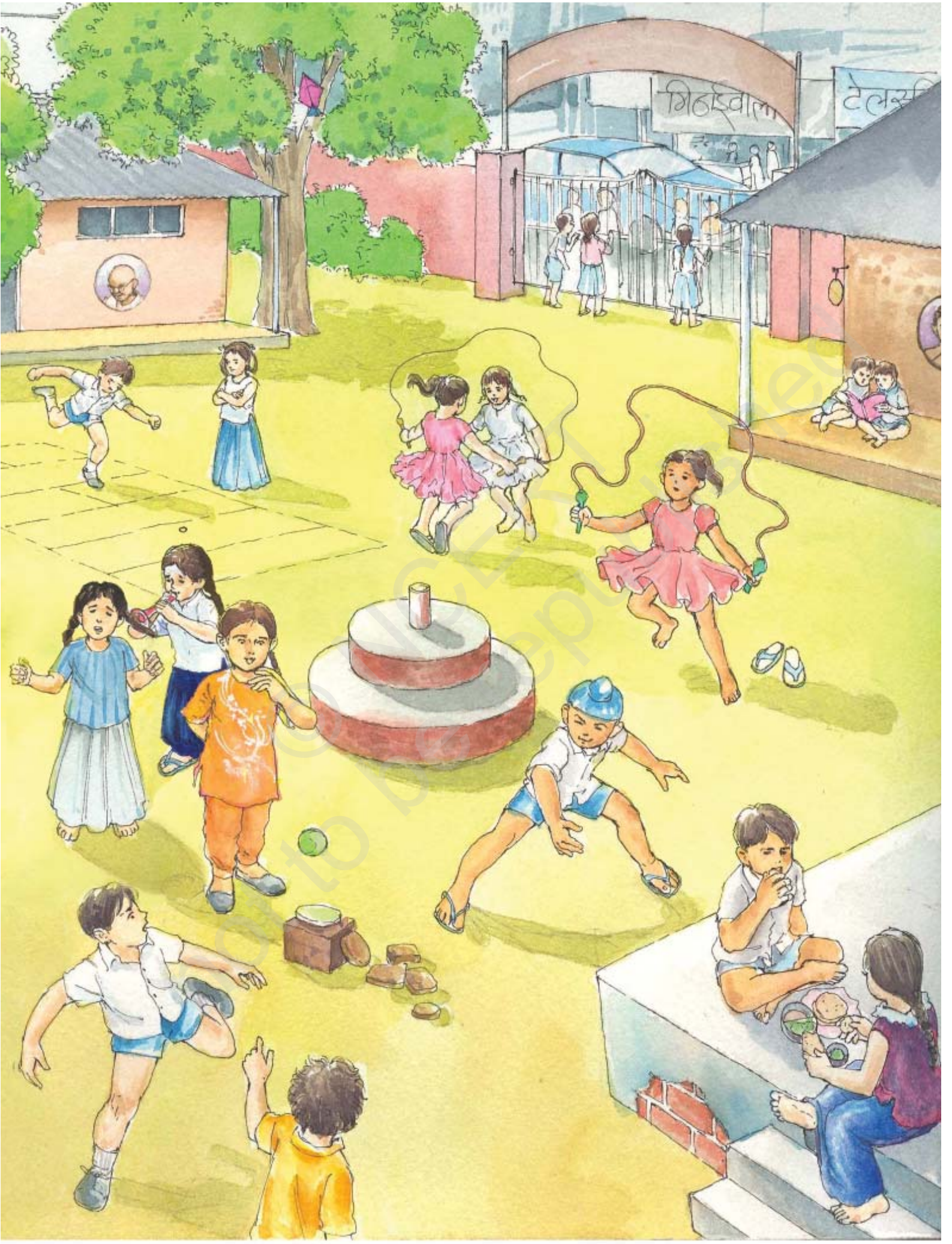
मिठाईवाला

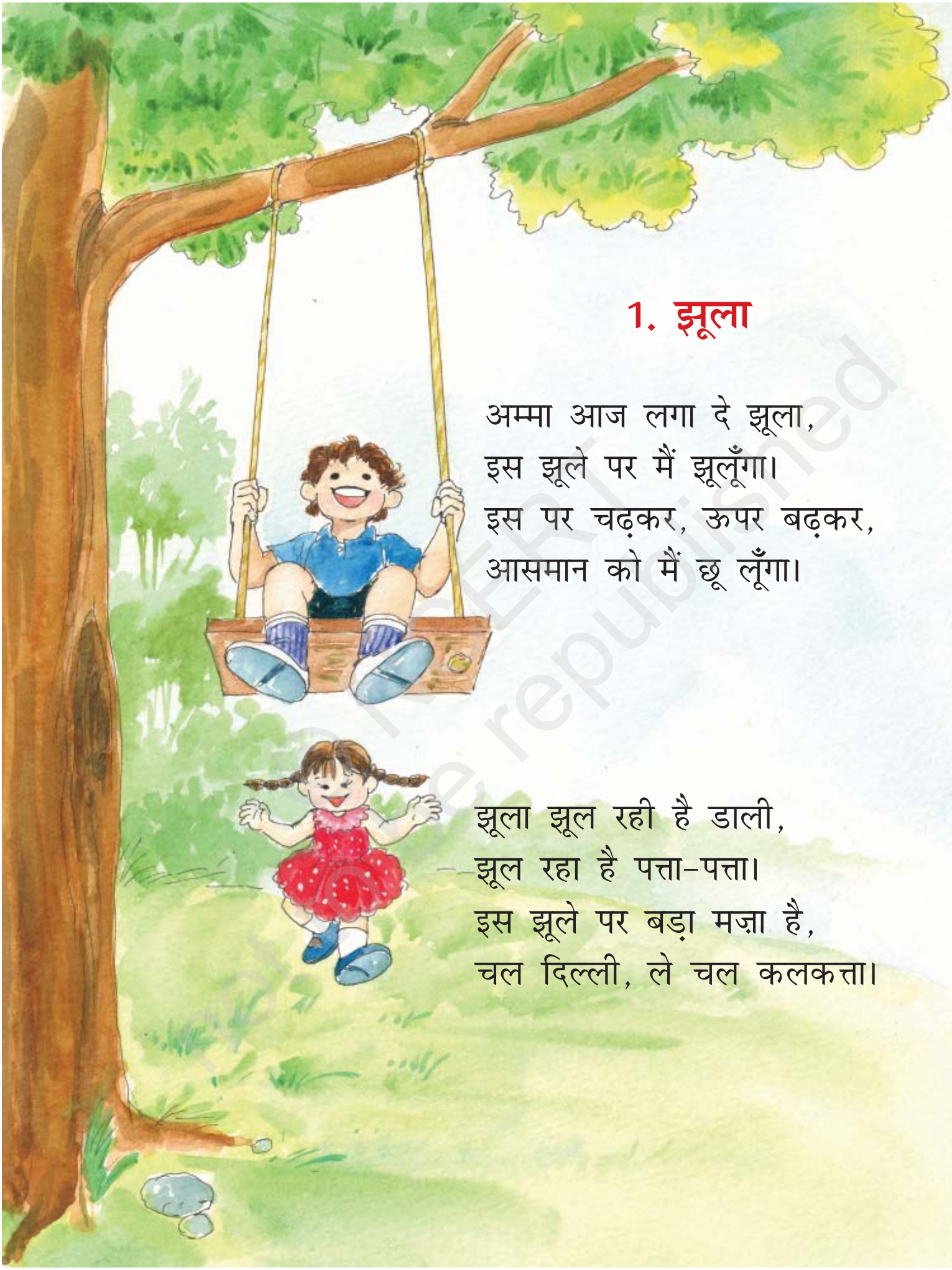

1. झूला

अम्मा आज लगा दे झूला,
इस झूले पर मैं झूलूँगा।
इस पर चढ़कर, ऊपर बढ़कर,
आसमान को मैं छू लूँगा।

झूला झूल रही है डाली,
झूल रहा है पत्ता-पत्ता।
इस झूले पर बड़ा मज़ा है,
चल दिल्ली, ले चल कलकत्ता।

© NCERT not to be republished

झूल रही नीचे की धरती,
उड़ चल, उड़ चल,
उड़ चल, उड़ चल।
बरस रहा है रिमझिम, रिमझिम,
उड़कर मैं लूटूँ दल-बादल।

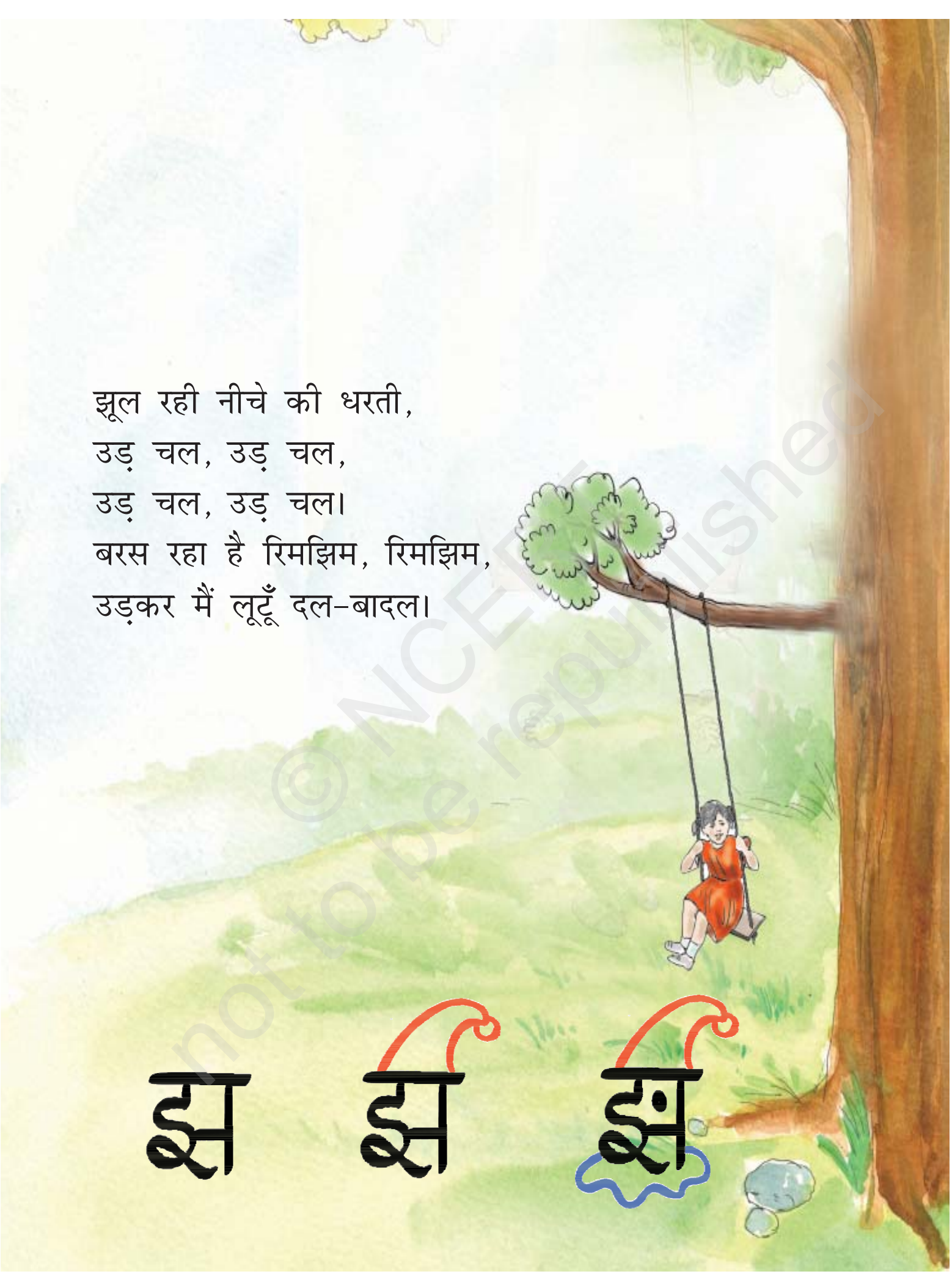

© NCERT not to be republished

झ ल ड

झूले ही झूले

बताओ, इनमें किन चीज़ों पर तुम झूले की तरह झूल सकते हो?

टायर

फाटक

झाड़ू

दरी

डाली

मेज़

पैर वाला झूला

अलमारी

मुझे .... पर झूलने में मज़ा आता है।

मुझे .... पर झूलने में डर लगता है।

मुझे .... पर झूलने पर डाँट पड़ती है।

© NCERT not to be republished

तुम इन झूलों पर भी झूले होगे। इन झूलों को तुमने कहाँ-कहाँ देखा है?

मेला स्कूल पार्क

घर का आँगन बगीचा

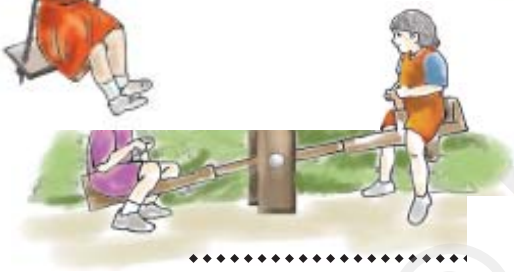

......

....

....

....

....

....

झूले से सुहानी को क्या-क्या दिख रहा होगा?

© NCERT not to be republished

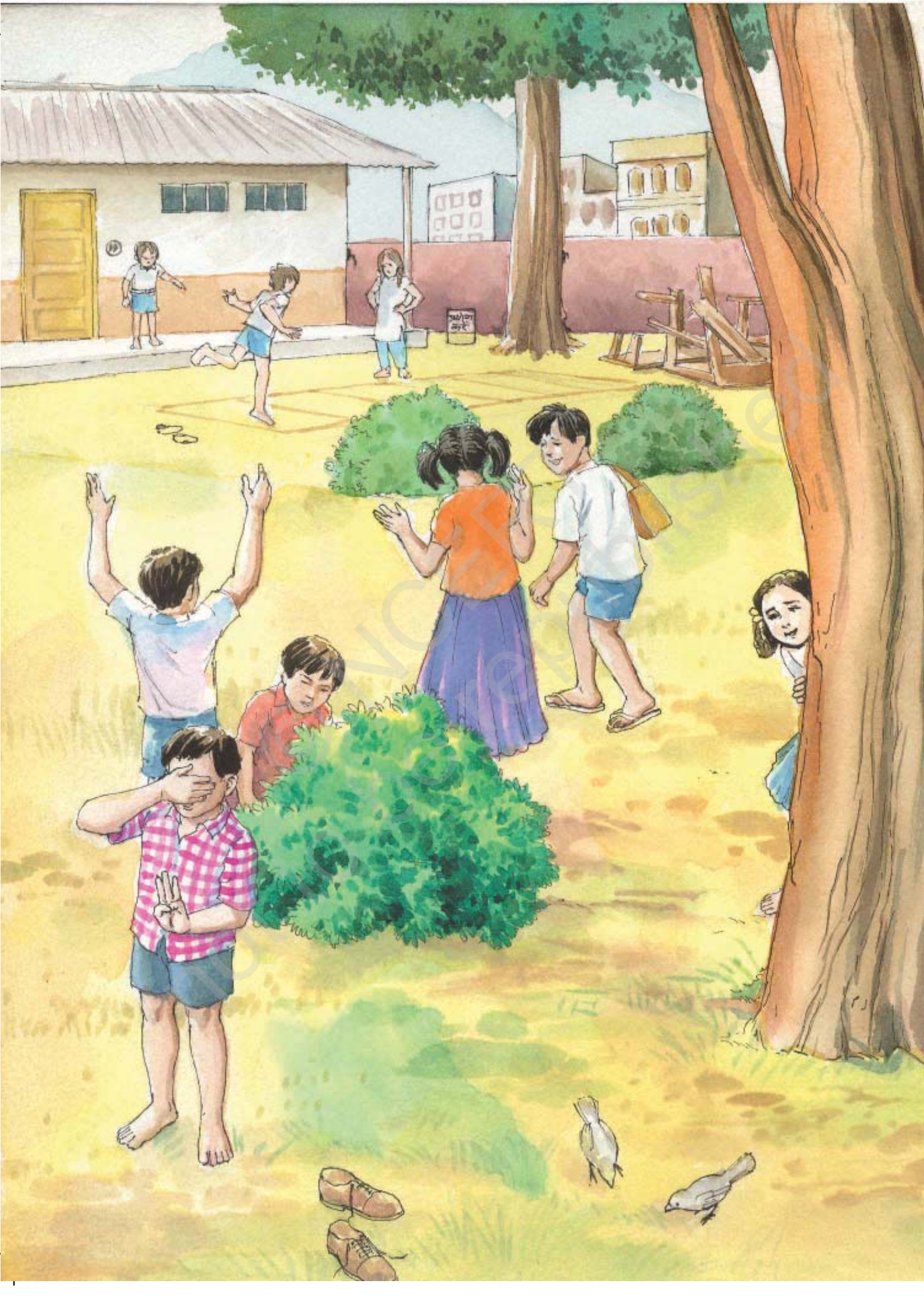

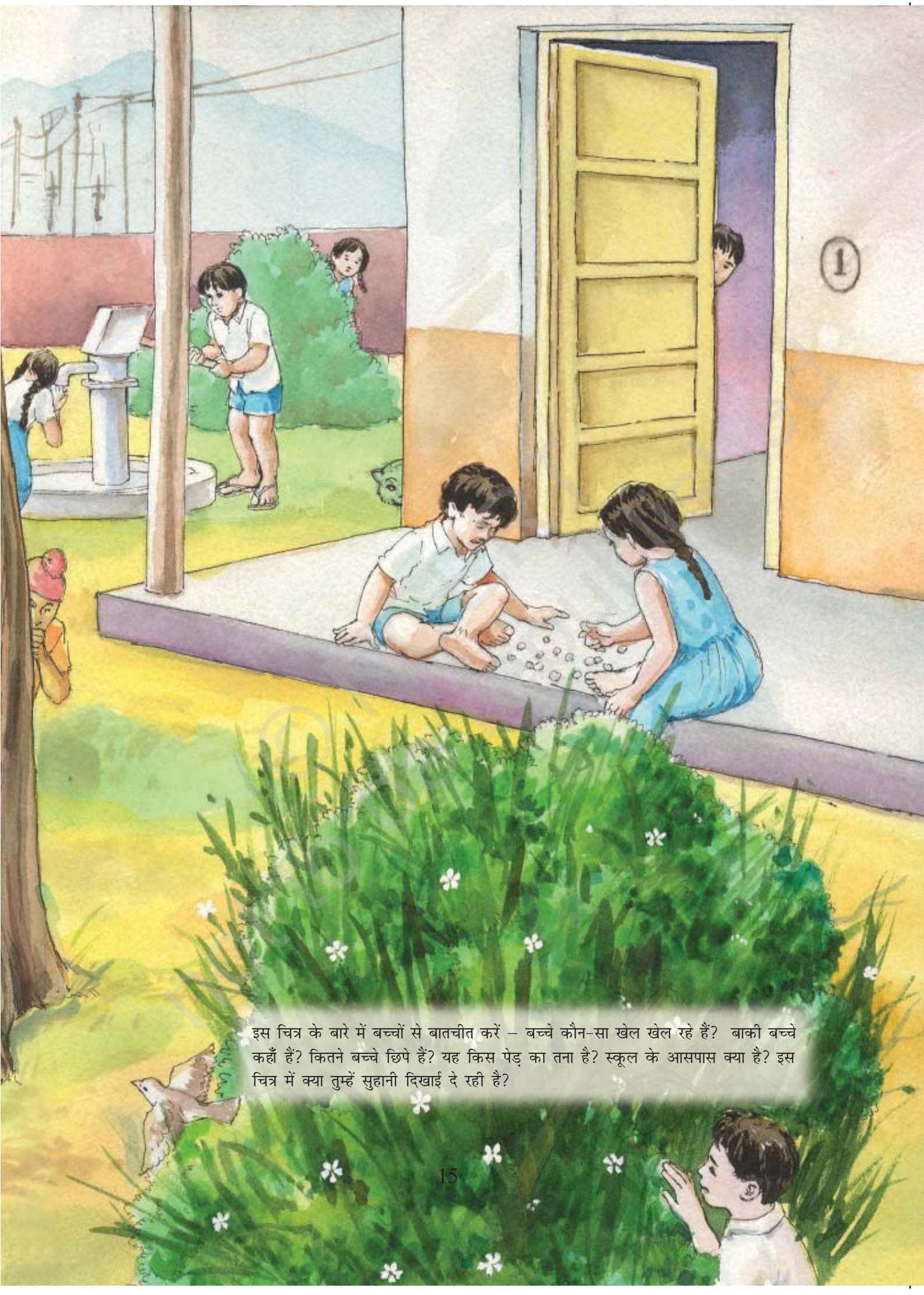

इस चित्र के बारे में बच्चों से बातचीत करें – बच्चे कौन-सा खेल खेल रहे हैं? बाकी बच्चे कहाँ हैं? कितने बच्चे छिपे हैं? यह किस पेड़ का तना है? स्कूल के आसपास क्या है? इस चित्र में क्या तुम्हें सुहानी दिखाई दे रही है?

मिलाओ

ठेला

झूला

पेड़

गठरी

खाली जगह भरो और फिर छुपने की इन जगहों पर बच्चों के चित्र बनाओ।

.....पेड़..... के पीछे

..... के नीचे

..... के नीचे

..... के पीछे

© NCERT not to be republished

पकड़न - पकड़ाई

छ ई

ठ

म

न

अ

छ

ऊपर बनी चीज़ों के नाम उन अक्षरों के नीचे लिखो जो उनमें आते हैं।

ठ	छ	म	अ	न
	मछली	मछली		

यहाँ मछली दो बार लिखा गया है। क्या किसी और चीज़ का नाम भी तुमने दो बार लिखा है?

.....

© NCERT not to be republished

2. आम की कहानी

एक चित्रकथा।

© NCERT not to be republished

© NCERT not to be republished

© NCERT not to be republished

© NCERT not to be republished

लिखो, कहानी में पहले क्या आया?

1. ..... लड़की .....
2. .....
3. .....
4. .....
5. .....
6. .....

कौन कहाँ

1. ..... के हाथ में
2. ..... के ऊपर

3. ..... में
4. पेड़ के .....

5. ..... के सिर पर

© NCERT not to be republished

3. आम की टोकरी

आ क

छह साल की छोकरी,
भरकर लाई टोकरी।

टोकरी में आम हैं,
नहीं बताती दाम है।

दिखा-दिखाकर टोकरी,
हमें बुलाती छोकरी।

हम को देती आम है,
नहीं बुलाती नाम है।

नाम नहीं अब पूछना,
हमें आम है चूसना।

© NCERT not to be republished

- बच्चों से बातचीत करें - क्या तुम किसी ऐसे बच्चे को जानते हो जो बाजार में कोई सामान बेचता है। पता लगाओ कि वह स्कूल जाता है या नहीं।
- बच्चों से अलग-अलग चीज़ों जैसे - आम, नीबू, केला, गन्ना, मूँगफली, सेब और दवा की गोली को खाने का अभिनय करवाएँ।
- अभिनय के लिए कुछ और गतिविधियाँ सोचें और कक्षा में करवाएँ।

यह लड़की सिर पर क्या लेकर जा रही होगी? चित्र बनाओ।

© NCERT not to be republished

4. पत्ते ही पत्ते

त प ऐ

दीदी बोली –
मैं पाँच तक गिनूँगी।
गिनती शुरू करने से पहले
तुम लोग गोला बनाकर
बैठ जाओ।
एक... दो... तीन... चार...।

पाँच बोलने से पहले ही
मैं दौड़ी और

धड़ाम से बैठ गई।
उधर दीदी ने गिनती पूरी
की और इधर हम सब गोला
बनाकर बैठ गए।

© NCERT not to be republished

आज दीदी पत्ते लेकर आई थीं।

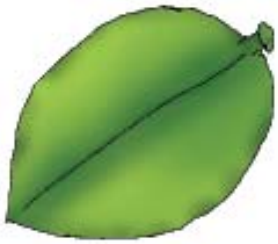

कितने सारे पत्ते
तरह-तरह के पत्ते।

हमने पत्तों को अच्छे से देखा।
कुछ पत्ते लंबे थे...
तो कुछ गोल थे।
एकदम गोल...
कुछ छोटे...
कुछ बड़े...

© NCERT not to be republished

एक था लाल।

एक पत्ता पीला और
कत्थई रंग का था।

एक पत्ते पर नसें
दिख रही थीं।

एक पत्ता कतरीला था।

एक पत्ते का डंठल
एकदम सीधा था।

एक पत्ता झालर वाला था।

© NCERT not to be republished

हमने पत्तों को
छूकर देखा।

कोई पत्ता एक तरफ़
से मुलायम था

तो दूसरी तरफ़
से खुरदरा।

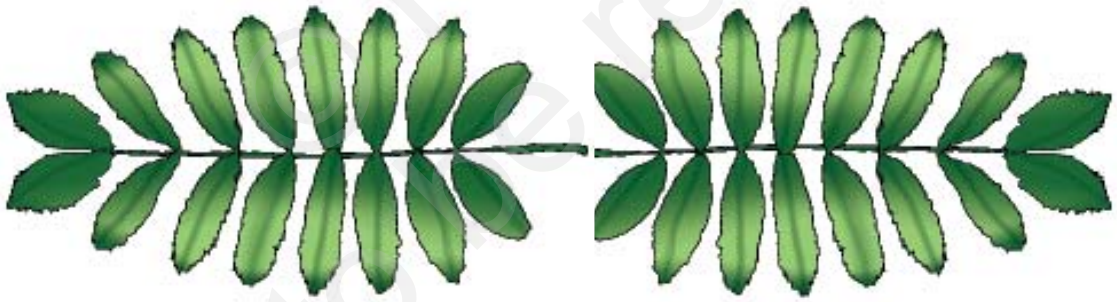

तो कुछ पत्ते बंदनवार
जैसे लग रहे थे।

© NCERT not to be republished

अब करने की बारी

बगीचे में जाओ। पत्ते देखो। उन्हें हल्के से हाथ लगाओ। कैसा लगा? आपस में बातें करो।

अपने आसपास से तरह-तरह की पत्तियाँ इकट्ठी करो। इन पत्तियों को कागज़ पर चिपकाओ। नीचे दी गई जगह पर पत्तियों के चित्र भी बनाओ।

© NCERT not to be republished

- बच्चों से तरह-तरह के पत्ते इकट्ठा करने और चिपकाने को कहें। उनसे एक-दूसरे के लाए पत्ते देखने को कहें। पत्ते कहाँ से लाए गए, किसके पत्ते मिलते-जुलते हैं – इस पर बातचीत करें।

पत्ते का पटाखा

सामान

एक पत्ता

बनाने का तरीका

- एक पत्ते को अपने हाथ की थोड़ी खुली मुट्ठी पर रखो।

- अब दूसरी हथेली से कसकर पत्ते पर वार करो।
- तुम्हें एक गुब्बारे के फटने जैसी आवाज़ सुनाई देगी।

जानो

- पत्ते को मारने की बजाय उसमें अपनी उँगली घुसाकर छेद बना दो। अब हाथ से वार करो। क्या पटाखे जैसी आवाज़ आई?

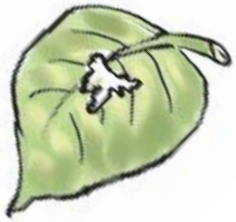

© NCERT not to be republished

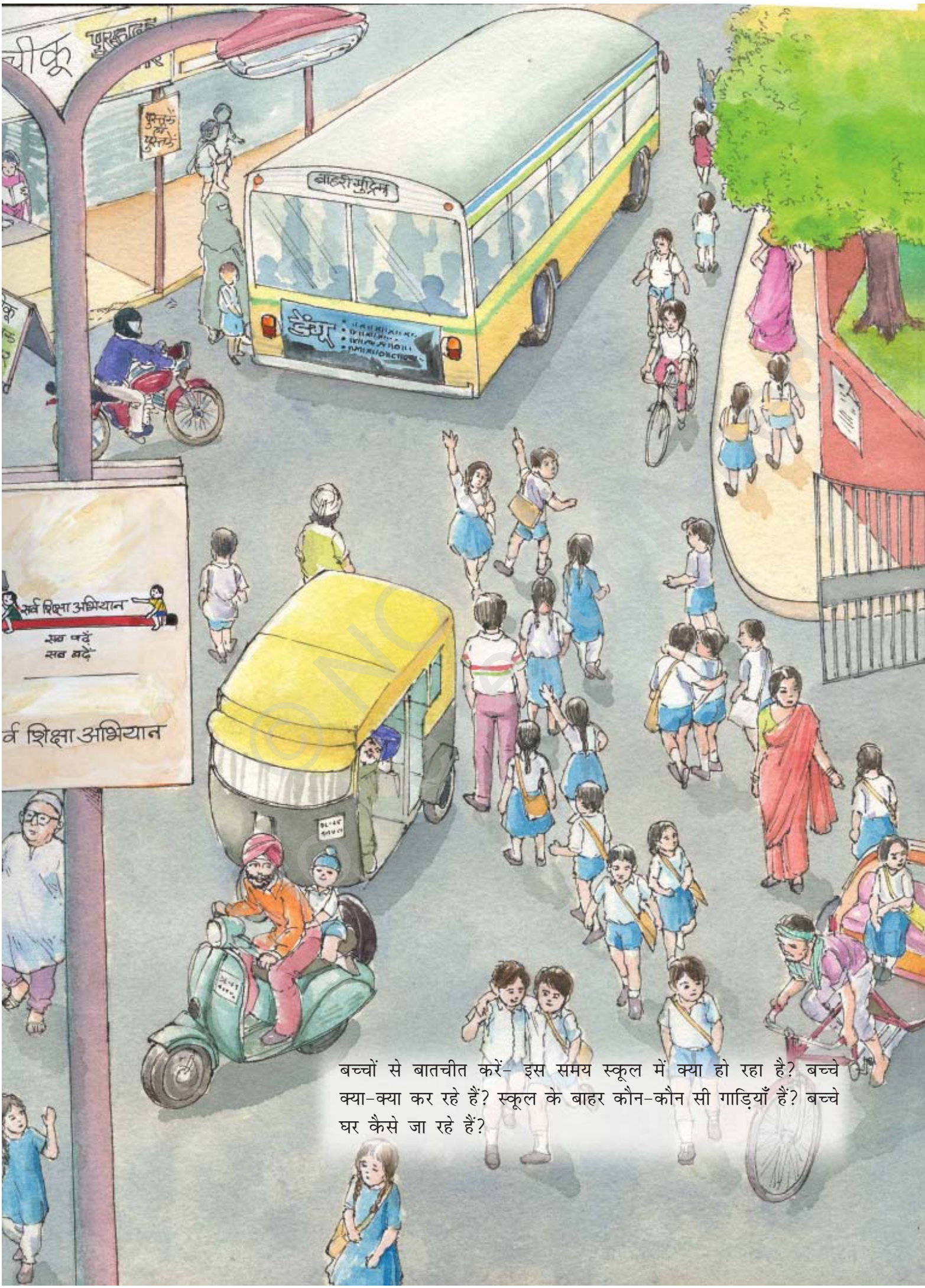

बच्चों से बातचीत करें– इस समय स्कूल में क्या हो रहा है? बच्चे क्या-क्या कर रहे हैं? स्कूल के बाहर कौन-कौन सी गाड़ियाँ हैं? बच्चे घर कैसे जा रहे हैं?

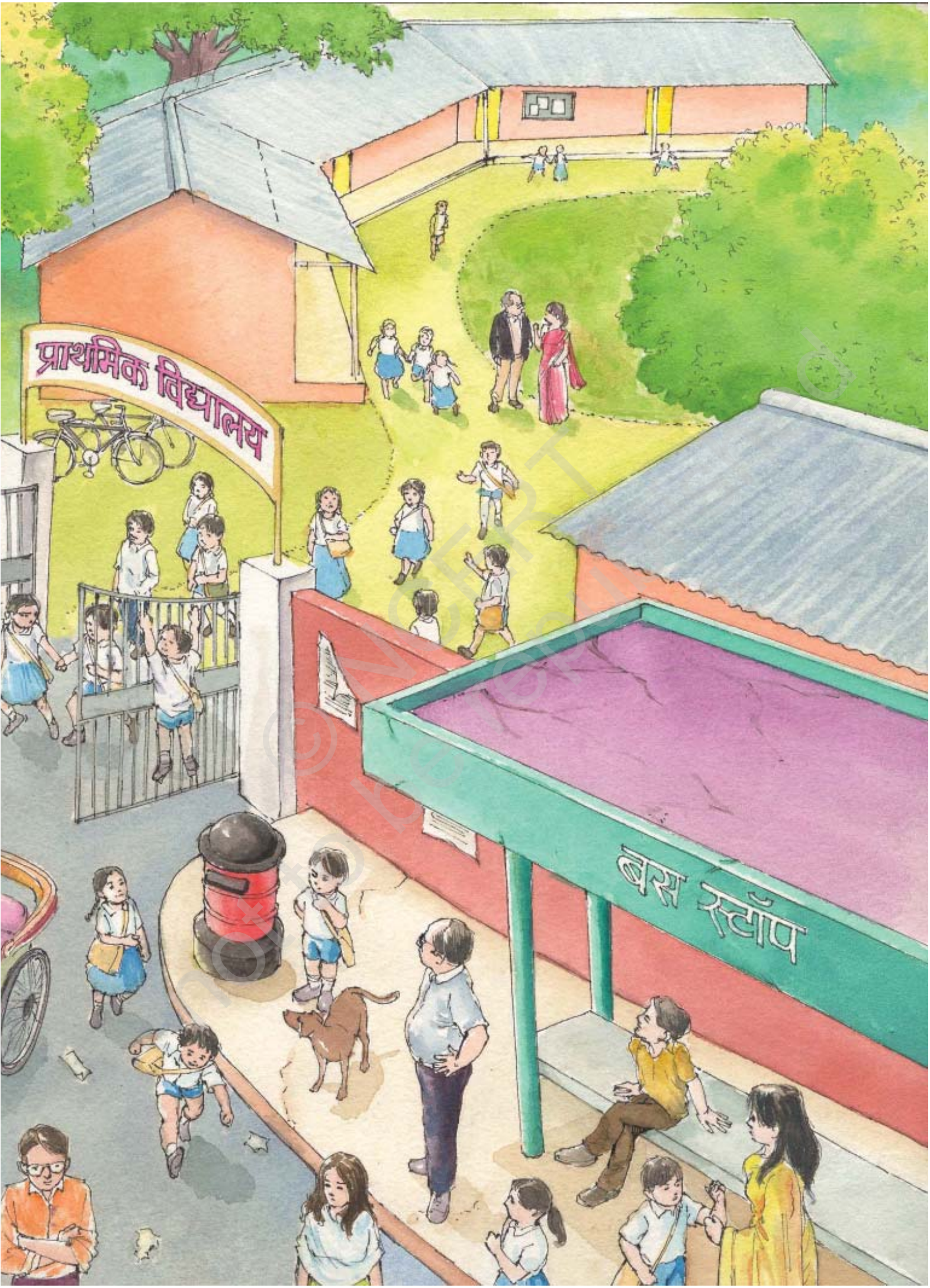
प्राथमिक विद्यालय
बस स्टॉप

घर कैसे जाओगी?

ब श स ऊ

मैं ..... जाती हूँ।

तुमने इनमें से किसकी सवारी की है? सही जगह पर हाँ ✓ या नहीं का निशान लगाओ।

सवारी	मैंने सवारी की है	मैंने सवारी नहीं की है
रिक्शा		
बस		
रेलगाड़ी		
बैलगाड़ी		
साइकिल		
ऊँट		
स्कूटर		
भैंस		

© NCERT not to be republished

तुम कैसे जाते हो?

1. दादी के घर – .....
2. सिनेमा देखने द– .....
3. स्कूल – .....
4. हाट/बाज़ार – .....

बताओ –

सवारी	टिकट लगेगा	पैसा लगेगा	मुफ़्त
रेलगाड़ी			
भैंस			
रिक्शा			
साइकिल			
ऊँट			
बैलगाड़ी			
बस			
गोदी			

© NCERT not to be republished

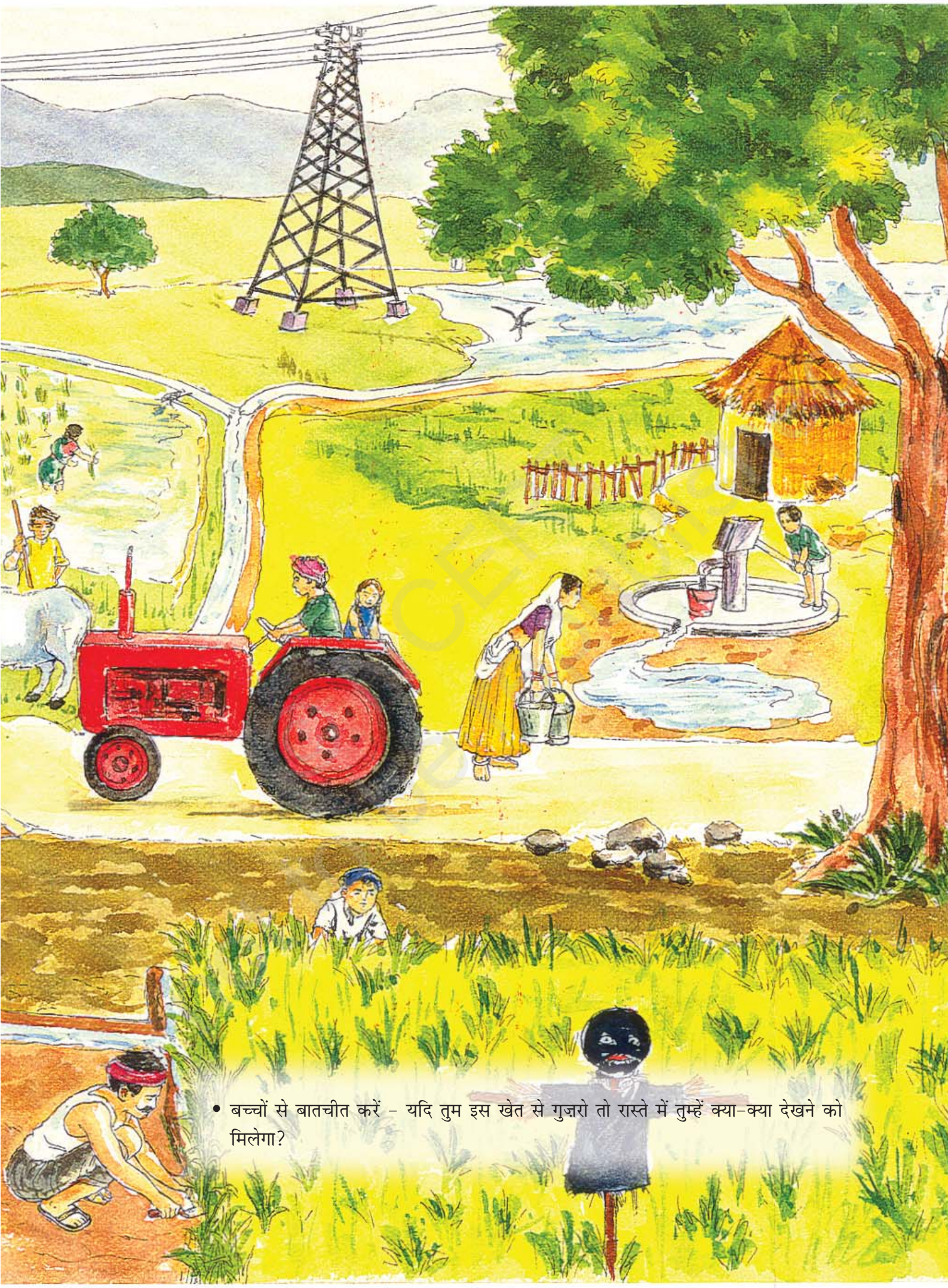

- बच्चों से बातचीत करें – यदि तुम इस खेत से गुज़रो तो रास्ते में तुम्हें क्या-क्या देखने को मिलेगा?

नीचे क्या? ऊपर क्या?

गन्ना ज़मीन के ऊपर उगता है और मूली नीचे।
सही जगह पर कुछ और चीज़ों के चित्र बनाओ।

© NCERT not to be republished

- बच्चों से ज़मीन के नीचे और ऊपर उगने वाली चीज़ों के नाम पूछें। ज़मीन के नीचे उगने वाली चीज़ों को ज़मीन के नीचे वाले हिस्से में और ऊपर उगने वाली चीज़ों को ऊपर वाले हिस्से में बनवाएँ।

बूझो मेरा रंग

ख ध फ व

अदरक

लाल | हरा

बोड़ा

धनिया

बैंगनी | पीला

धान
(चावल)

टमाटर

गाजर

खीरा

नीला | काला

पालक

प्याज़

आलू

बैंगन

मूँगफली

मकई

• बच्चों से विभिन्न रंगों के नीचे उन रंगों वाली चीज़ों के नाम लिखने को कहें।

© NCERT not to be republished

हाट का खेल

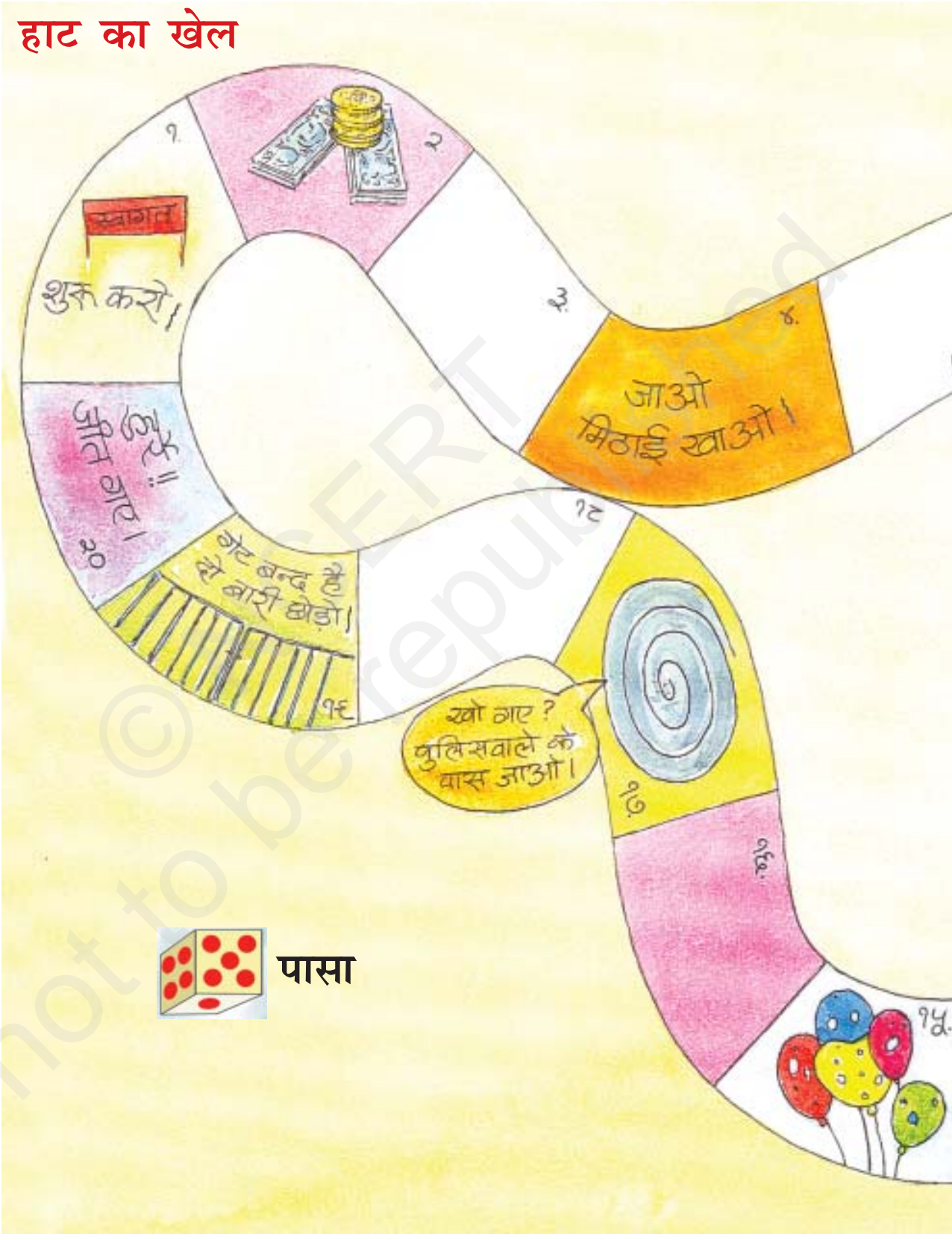

पासा

© NCERT not to be republished

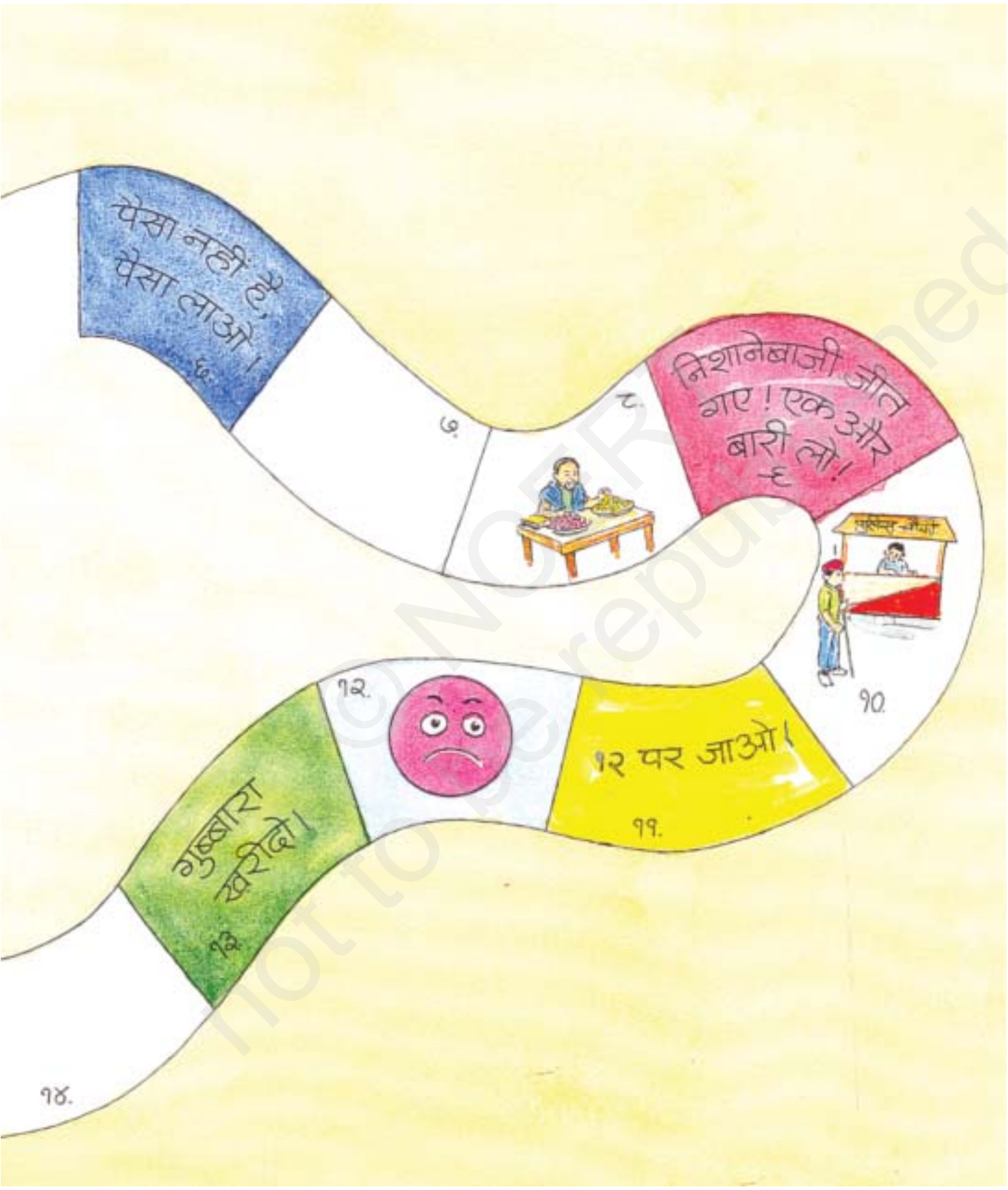

© NCERT not to be republished

5. पकौड़ी

दौड़ी-दौड़ी
आई पकौड़ी।

छुन-छुन छुन-छुन
तेल में नाची,
प्लेट में आ
शरमाई पकौड़ी।

दौड़ी-दौड़ी
आई पकौड़ी।

हाथ से उछली
मुँह में पहुँची,
पेट में जा
घबराई पकौड़ी।

दौड़ी-दौड़ी
आई पकौड़ी।

मेरे मन को
भाई पकौड़ी।

क्या भाता है? क्या नहीं भाता

ह ड़ औ
भ ज

चीज़ें	मज़े से खाएँगे	खाना पड़ेगा	बिल्कुल नहीं खाएँगे
जलेबी			
पकौड़ी			
बैंगन			
चुस्की			
करेला			
घीया (लौकी)			
आलू			
आम			

बच्चों से उनकी पसंद-नापसंद की चीज़ों के बारे में बातचीत करें और उसके अनुसार उचित खाने में सही का निशान लगाने को कहें।

© NCERT not to be republished

* बच्चों से बस के चित्र पर बातचीत करें – बस में कौन-कौन बैठा है? ड्राइवर क्या कर रहा है आदि।

क्या सुना?

ग ट य

खाली जगह में आवाज़ें लिखो।

भोंपू

.....

सीटी

.....

बस

.....

रोता हुआ बच्चा

.....

तुम्हें जो सवारी सबसे अच्छी लगती है, उसका चित्र बनाओ।

© NCERT not to be republished

१ पहिया, २ पहिए

बोलो किसके कितने पहिए?

ठेला	.....	ट्रक	.....
ताँगा	.....	बस	.....
स्कूटर	.....	रिक्शा	.....
बैलगाड़ी	.....	कार	.....
साइकिल	.....	ऑटो रिक्शा	.....
पानी का जहाज़	.....	हवाई जहाज़	.....

© NCERT not to be republished

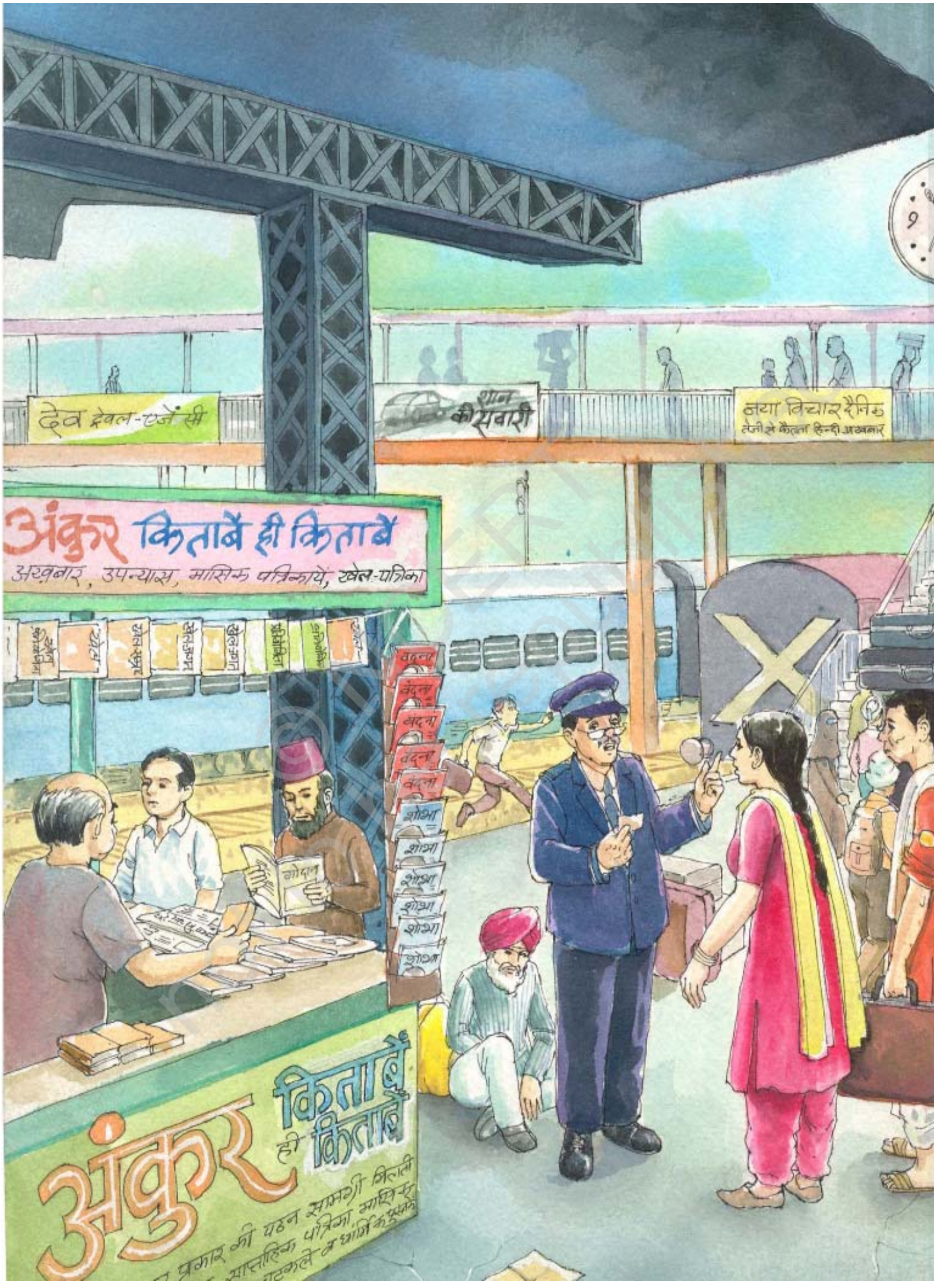
देव देवल-एजेंसी
शान की सवारी
नया विचार दैनिक
तेजी से बढ़ता हिन्दी अखबार
अंकुर किताबें ही किताबें
अख़बार, उपन्यास, मासिक पत्रिकायें, खेल-पत्रिका
गोदान
शोभा
अंकुर किताबें ही किताबें

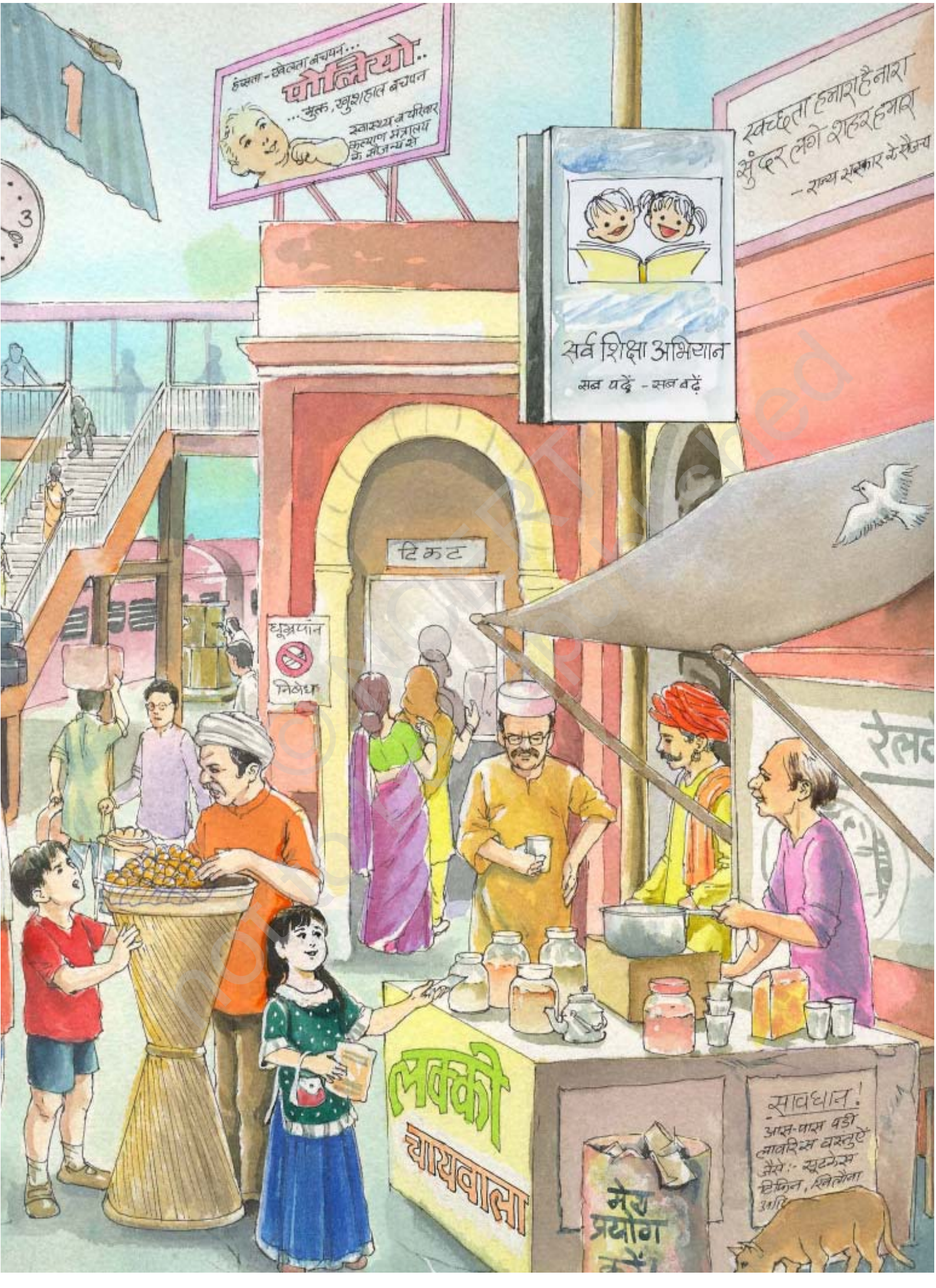

हँसता - खेलता बचपन...
पोलियो..
...मुक्त, खुशहाल बचपन
स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय के सौजन्य से
स्वच्छता हमारा है नारा सुंदर लगे शहर हमारा
— राज्य सरकार के सौजन्य
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें - सब बढ़ें
टिकट
धूम्रपान निषेध
लक्की
चायवाला
सावधान!
आस-पास पड़ी लावारिस वस्तुएं जैसे:- सूटकेस टिफिन, खिलौना आदि
मेरा प्रयोग करें

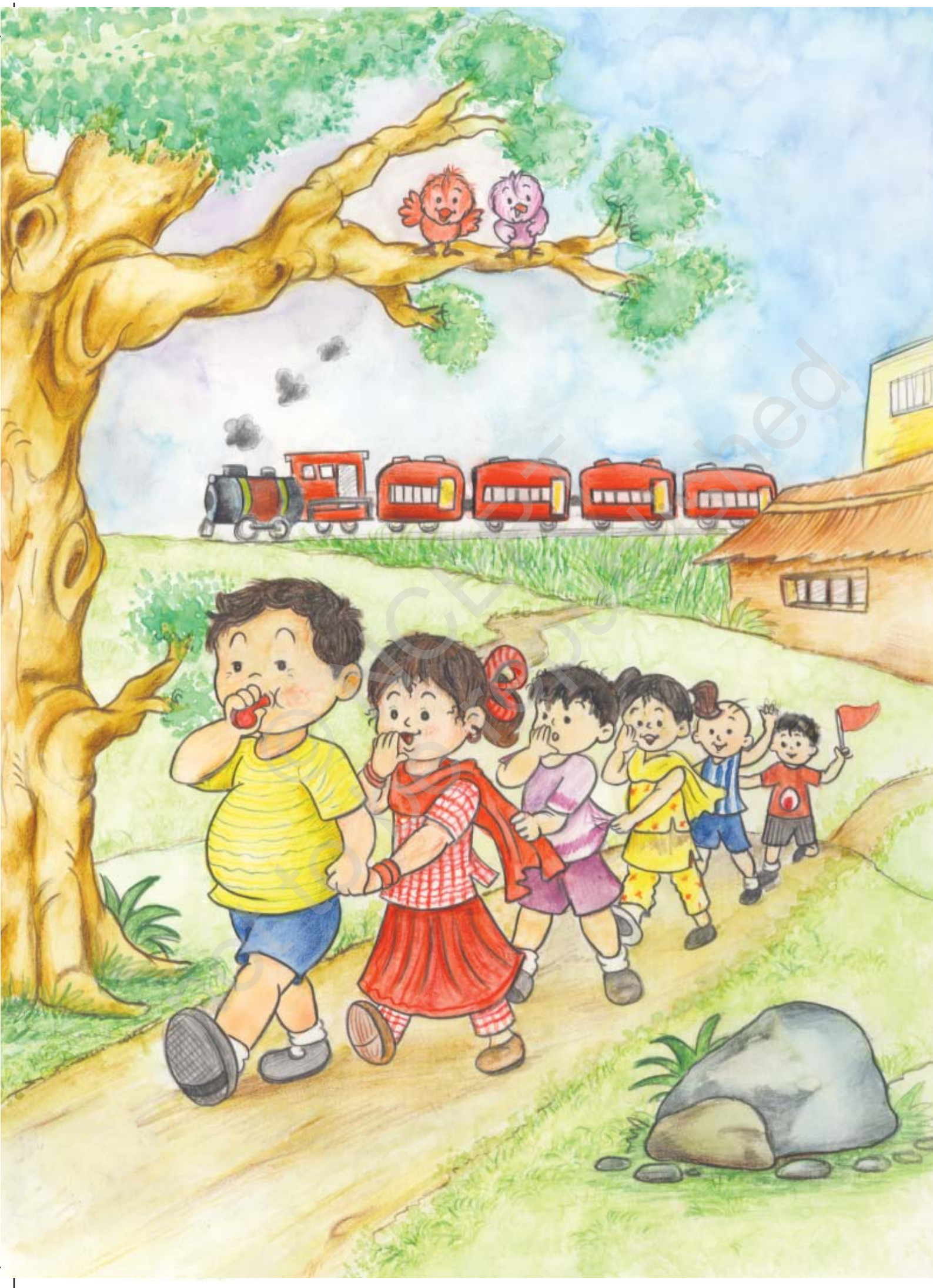

6. छुक-छुक गाड़ी

इ र

छूटी मेरी रेल।
रे बाबू, छूटी मेरी रेल।
हट जाओ, हट जाओ भैया!
मैं न जानूँ, फिर कुछ भैया!
टकरा जाए रेल।

धक-धक, धक-धक, धू-धू, धू-धू!
भक-भक, भक-भक, भू-भू, भू-भू!
छक-छक छक-छक, छू-छू, छू-छू!
करती आई रेल।

इंजन इसका भारी-भरकम।
बढ़ता जाता गमगम गमगम।
धमधम धमधम, धमधम धमधम।
करता ठेलम ठेल।

सुनो गार्ड ने दे दी सीटी।
टिकट देखता फिरता टीटी।
सटी हुई वीटी से वीटी।
करती पेलम पेल।

छूटी मेरी रेल।

© NCERT not to be republished

इतने सारे रंग

पिछले पन्नों में इन रंगों को ढूँढ़ो। इन रंगों वाली चीज़ों के चित्र बनाओ।

इतने सारे बिखरे रंग !
तुम्हें चाहिए कौन-सा रंग ?

मुझे चाहिए
लाल रंग

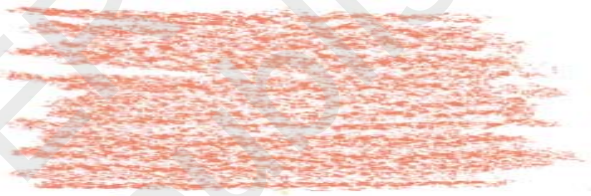

मुझे चाहिए
हरा रंग

मुझे चाहिए
पीला रंग

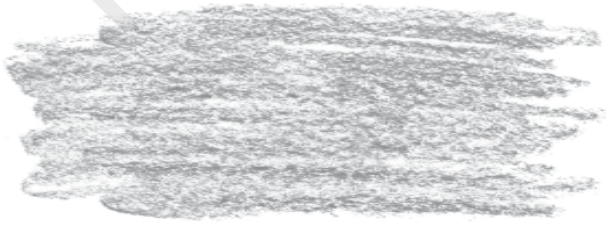

मुझे चाहिए
काला रंग

© NCERT not to be republished

नाम बताओ

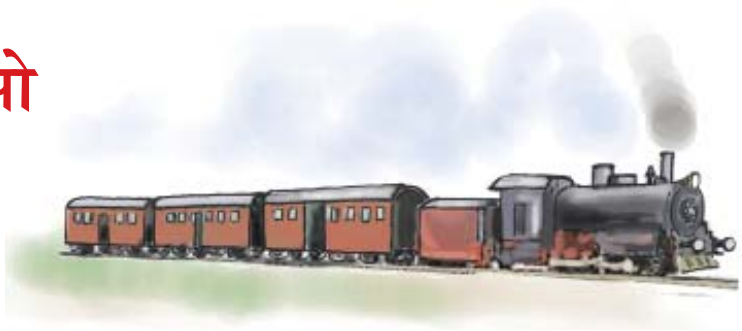

....

....

पूरा करो

छूटी मेरी रेल, रे बाबू .....।

सुनो गार्ड ने दे दी .....।

हर डिब्बे पर उसके रंग वाली किसी चीज़ का नाम लिखो।

अब तक पिछले पन्नों में जितनी भी चीज़ों के नाम आए हैं उनकी सूची बच्चों की मदद से श्यामपट्ट पर लिखें। उन चीज़ों में से किसी एक चीज़ को रंग के अनुसार अलग-अलग रंग के डिब्बों में लिखने को कहें।

© NCERT not to be republished

© NCERT not to be republished

बच्चों से बातचीत करें- रसोईघर में कौन क्या कर रहा है? टोकरी में कौन-सी सब्ज़ियाँ रखी हैं? तुम अपनी माँ के साथ रसोई में क्या-क्या काम करवाते हो?

7. रसोईघर

आज रसोईघर की खिड़की,
मुन्ना-मुन्नी खोल रहे हैं।
अंदर देखा, चकला-बेलन,
चाकू-छलनी बोल रहे हैं।

मैं चाकू, सब्ज़ी-फल काटूँ,
टुकड़ा-टुकड़ा सबको बाँटूँ।
गाजर-मूली प्याज़-टमाटर,
छीलो काटो रखो सजाकर।

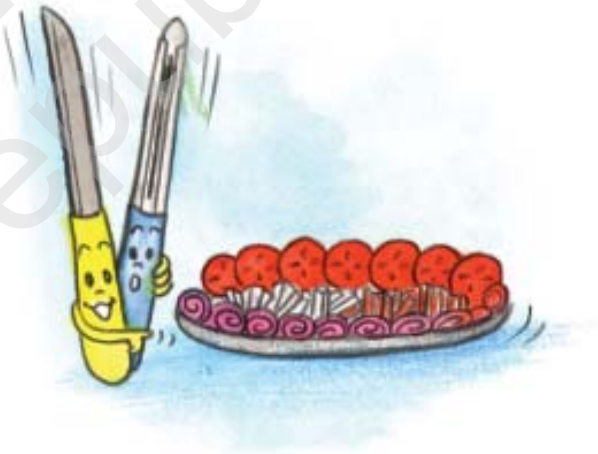

गोल चाँद-सी हूँ मैं थाली,
बज सकती हूँ बनकर ताली।
मुझमें रोटी-सब्ज़ी डाली,
और सभी ने झटपट खा ली।

© NCERT not to be republished

कुछ और काम

घ थ च
ज़ ओ

मैं चाकू हूँ।
मैं सब्ज़ी ..... ।

हम .... हैं।
हम ..... बेलते हैं।

मैं ..... हूँ।
मैं ..... छानती हूँ।

मैं ..... हूँ।
मुझमें ..... खाओ।

मैं छीलनी हूँ।
मुझसे छिलका .....।

© NCERT not to be republished

सही-गलत

रसोईघर का चित्र देखो और बताओ।

1. पतीला चूल्हे के नीचे है। ✗
2. चूहा अँगीठी के अंदर है.
3. टोकरी में आम रखे हैं.
4. अक्षय चावल बीन रहा है.
5. माँ खाना बना रही हैं.
6. आले में लालटेन रखी है.
7. दादी किताब पढ़ रही हैं.
8. सुहानी खिड़की से झाँक रही है.

© NCERT not to be republished

काम ही काम

यहाँ क्या काम हो रहा है? गोला लगाओ

सेंकना

बेलना

तलना

किनसे काटोगे?

चाकू

सिलबट्टा

छीलनी

पहँसुल

दाव

कैंची

हथौड़ा

गुलेल

ढक्कन

- पहँसुल का उपयोग पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल आदि पूर्व के कई राज्यों में सब्ज़ी काटने के लिए किया जाता है।
- दाव का इस्तेमाल उत्तर-पूर्व के राज्यों में बाँस, सब्ज़ी आदि काटने के लिए किया जाता है।

© NCERT not to be republished

किससे क्या काटोगे?

ढ

कपड़ा

कागज़

आम

बैंगन

रस्सी

सेब

गन्ना

कैंची से	चाकू से

© NCERT not to be republished

बिंदु जोड़कर चित्र पूरा करो।

शाबाश! अब चित्र में
कोई रंग भरो।

© NCERT not to be republished

8. चूहो! म्याऊँ सो रही है

घर के पीछे,
छत के नीचे,
पाँव पसारे,
पूँछ सँवारे।

देखो कोई,
मौसी सोई,
नासों में से,
साँसों में से।

घर घर घर घर हो रही है,
चूहो! म्याऊँ सो रही है।

बिल्ली सोई,
खुली रसोई,
भरे पतीले,
चने रसीले।

© NCERT not to be republished

उलटो मटका,
देकर झटका,
जो कुछ पाओ,
चट कर जाओ।

आज हमारा दूध दही है,
चूहो! म्याऊँ सो रही है।

मूँछ मरोड़ो,
पूँछ सिकोड़ो,
नीचे उतरो,
चीज़ें कुतरो।

आज हमारा,
राज हमारा,
करो तबाही,
जो मनचाही।

आज मची है,
चूहा शाही,
डर कुछ भी चूहों को नहीं है,
चूहो! म्याऊँ सो रही है।

© NCERT not to be republished

पढ़ो

घर के पीछे,
छत के नीचे

पाँव पसारे,
पूँछ सँवारे

भरे पतीले,
चने रसीले

उलटा मटका,
देकर झटका

मूँछ मरोड़ो,
पूँछ सिकोड़ो

नीचे उतरो,
चीज़ें कुतरो

चलो, चूहा बनाएँ

तीन लिखो

मूँछ कान बनाओ

आँखें और
पैर बनाओ

पूँछ बनाओ

© NCERT not to be republished

तुक मिलाओ, आगे बढ़ाओ

द उ

यह चित्र बिहार की मधुबनी शैली में बना है। इस चित्र की ओर बच्चों का ध्यान दिलाएँ।

मकड़ी-ककड़ी-लकड़ी

हमने तीन चीज़ें देखीं,
दादा तीन चीज़ें देखीं।

एक डाल पर थी इक मकड़ी,
लकड़ी पर बैठी थी मकड़ी,
मकड़ी खा रही थी ककड़ी।

लकड़ी, मकड़ी, ककड़ी,
मकड़ी, ककड़ी, लकड़ी,
ककड़ी, लकड़ी, मकड़ी।

© NCERT not to be republished

हमने तीन चीज़ें देखीं,
दादा तीन चीज़ें देखीं।

एक खेत में थी कुछ बालू,
बालू पर बैठा था भालू,
भालू खा रहा था आलू।

बालू, भालू, आलू,
भालू, आलू, बालू,
आलू, बालू, भालू।

© NCERT not to be republished

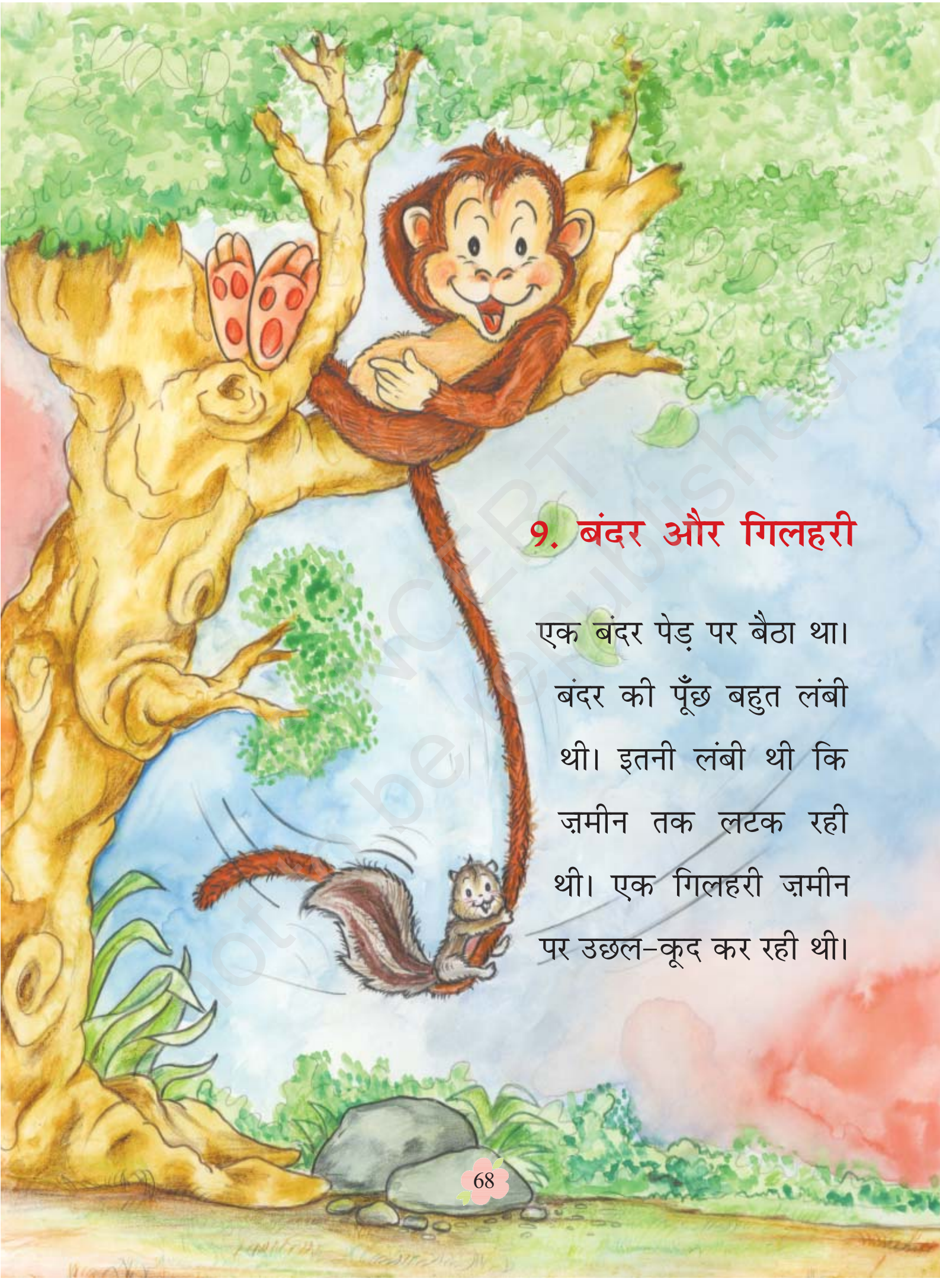

9. बंदर और गिलहरी

एक बंदर पेड़ पर बैठा था। बंदर की पूँछ बहुत लंबी थी। इतनी लंबी थी कि ज़मीन तक लटक रही थी। एक गिलहरी ज़मीन पर उछल-कूद कर रही थी।

© NCERT not to be republished

अचानक उसे पूँछ दिखाई दी। उसने सोचा – यह झूला कहाँ से आ गया? थोड़ी देर पहले तो नहीं था। वह पूँछ पर चढ़कर झूलने लगी। बंदर को गुदगुदी हुई। उसने नीचे देखा। वह हँस कर बोला – बहन गिलहरी! यह क्या कर रही हो? मुझे गुदगुदी हो रही है। गिलहरी चौंकी – बंदर भैया, यह तुम हो? मैं तो तुम्हारी पूँछ को झूला समझकर झूल रही थी। बड़ा मज़ा आ रहा था।

और गिलहरी हँसती हुई पेड़ की डाली पर चढ़ गई।

गप्पें

बंदर की पूँछ लंबी थी, इतनी लंबी थी,
इतनी लंबी जैसे *सड़क*

चूहे की मूँछ इतनी घनी थी, इतनी घनी थी,
इतनी घनी थी जैसे .....।

भालू इतना मोटा था, इतना मोटा था,
इतना मोटा था जैसे .....।

ऊँट इतना ऊँचा था, इतना ऊँचा था,
इतना ऊँचा था जैसे .....।

चुहिया इतनी छोटी थी, इतनी छोटी थी,
इतनी छोटी थी जैसे .....।

कुत्ते की पूँछ इतनी टेढ़ी थी, इतनी टेढ़ी थी,
इतनी टेढ़ी थी जैसे .....।

.....कोयल की.....इतनी.....थी.....
.....जैसे.....।

© NCERT not to be republished

गुदगुदी

कहानी में बंदर को गुदगुदी हुई।
अपने दोस्त को गुदगुदी करो।
पेट पर, पीठ पर, गर्दन पर,
हथेली पर, तलवे पर।
क्या हुआ?
अब खुद को गुदगुदी करके देखो।
अब क्या हुआ?

क्या करोगे

गिलहरी ने बंदर की पूँछ से झूला झूला, तुम इन चीज़ों से क्या-क्या करोगी? करके दिखाओ।

रुमाल ....

पेंसिल ....

फुटा 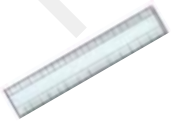 ....

© NCERT not to be republished

क्या-क्या

तुम तो कितनी सारी चीज़ें खाते हो, जैसे दूध-भात, संतरा, केला। इनके अलावा तुम और क्या-क्या खाते हो?

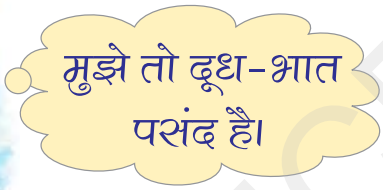

....

....

....

गिलहरी क्या-क्या खा लेती होगी?

....

....

....

बंदर क्या-क्या खा लेता होगा?

....

....

....

बच्चे अपनी कल्पना से लिखें। लिखने में बच्चों की मदद करें।

© NCERT not to be republished

कौन-कौन

मैं बहुत उछल-कूद करती हूँ।

जानवरों में कौन-कौन उछल-कूद करता होगा?

गाय शेर गधा गिलहरी हाथी

खरगोश बिल्ली चूहा कुत्ता ऊँट

उछल-कूद करते हैं	उछल-कूद नहीं करते
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

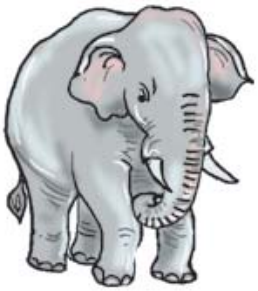

© NCERT not to be republished

10. पगड़ी

मैली पगड़ी,
इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
रह गया मैल,
न रह गई पगड़ी।

हट्टी-कट्टी,
मोटी-तगड़ी,
मलकिन झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
तर गया मैल,
और तर गई पगड़ी।

© NCERT not to be republished

सफ़ाई

मालकिन ने मैली पगड़ी खूब रगड़ी। तुम इन चीज़ों को किससे साफ़ करोगे?

1. कागज़ .....
2. बर्तन .....
3. पत्ते .....
4. जूते .....
5. दाँत .....

पगड़ी को खूब रगड़ा तो पगड़ी फट गई। बताओ, इनको खूब रगड़ोगे तो क्या होगा?

1. कागज़ .....
2. बर्तन .....
3. जूते .....
4. स्वेटर .....
5. फ़र्श ..... चमक जाएगा।

© NCERT not to be republished

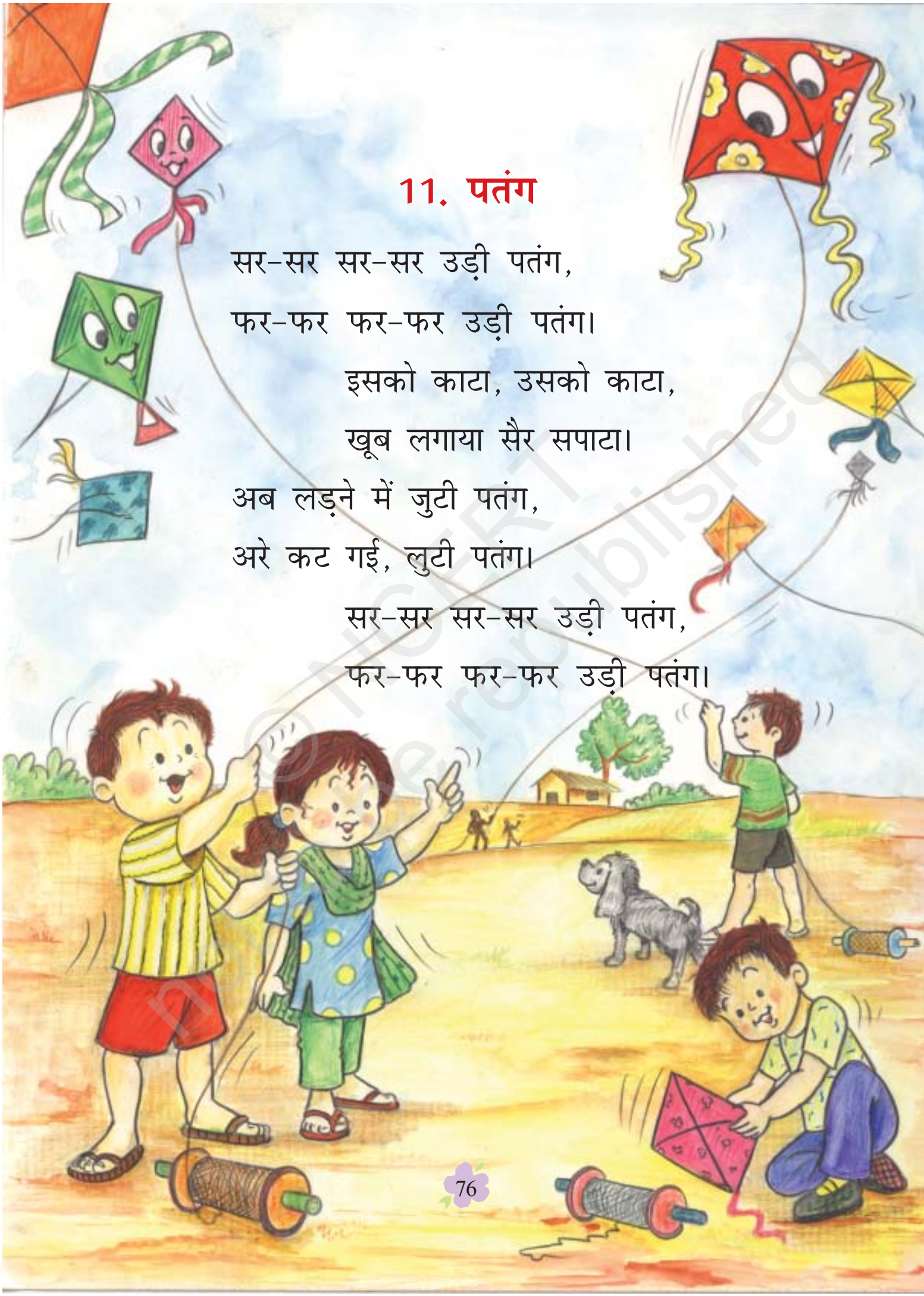

11. पतंग

सर–सर सर–सर उड़ी पतंग,
फर–फर फर–फर उड़ी पतंग।
इसको काटा, उसको काटा,
खूब लगाया सैर सपाटा।
अब लड़ने में जुटी पतंग,
अरे कट गई, लुटी पतंग।
सर–सर सर–सर उड़ी पतंग,
फर–फर फर–फर उड़ी पतंग।

© NCERT not to be republished

पतंग का चित्र बनाओ।

अब कविता बनाएँ

सर–सर सर–सर उड़ी पतंग

घंटी बोली ....

उड़ता कपड़ा ....

.... खन–खन–खन

© NCERT not to be republished

सोचो और लिखो

तुम पतंग के साथ सैर-सपाटे पर गईं। वहाँ तुमने क्या-क्या देखा?

.....

.....

पतंग कटकर कहाँ-कहाँ गिर सकती है?

.....

.....

कागज़ से कुत्ता बनाओ।

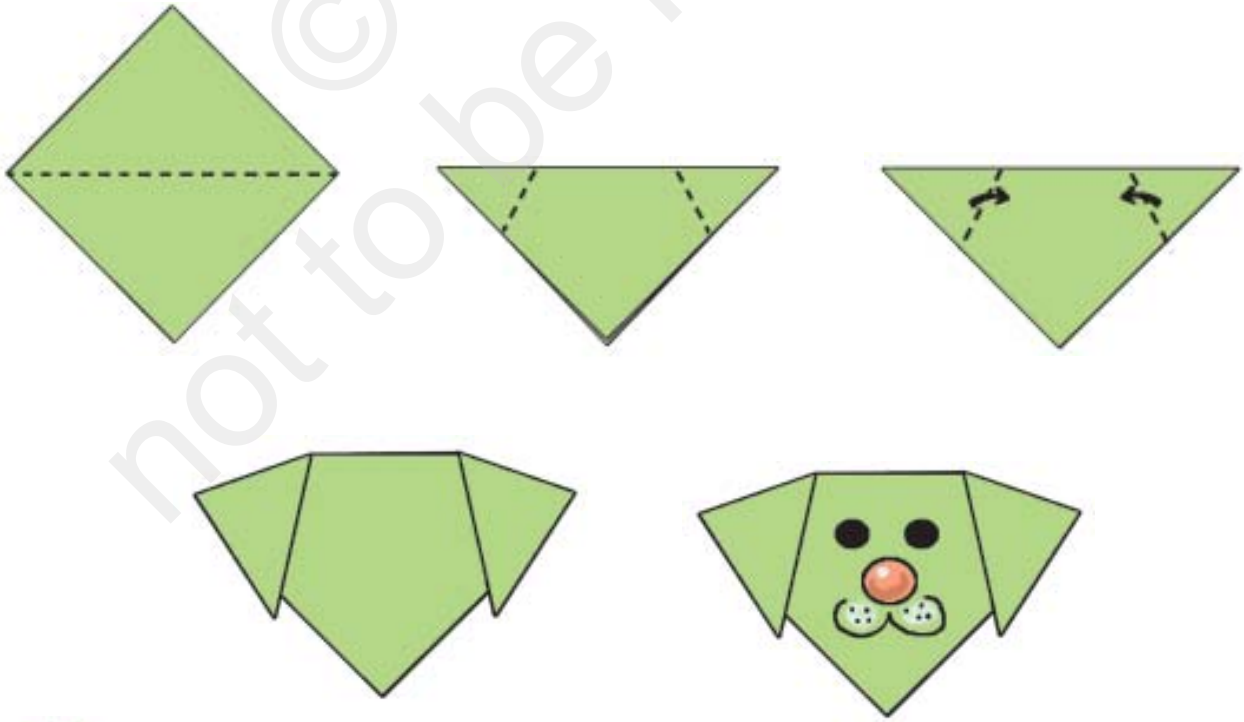

© NCERT not to be republished

कहती है अब खेल का समय

24 हुर्रे! जीत गई	23 जल्दी-जल्दी चार बार बोलो– कच्चा पापड़ पक्का पापड़। आगे बढ़ो।	22 	21 पाँच बार चुटकी बजाओ और चुस्की का मज़ा लो।	20 	19
13 	14	15 	16	17 **आ** से शुरू होने वाली चार चीज़ों के नाम बताओ। झूला झूलो।	18
12 बीस की गिनती पूरी होने से पहले बाहर से एक पत्थर लेकर आओ। आम खाओ	11	10	9 	8	7 **म** से शुरू होने वाला कोई गाना सुनाओ। पगड़ी पहनो।
1 शुरू करो।	2 मछली पर कविता सुनाओ नाव में जाओ।	3	4	5 **क** से शुरू होने वाले पाँच बच्चों के नाम बताओ। पतंग उड़ाओ।	6

बच्चे सुझाया गया काम करेंगे। सही करने पर आगे बढ़ेंगे। गलत करने पर एक बारी छोड़ेंगे।

© NCERT not to be republished

12. गेंद-बल्ला

गेंद ने बल्ले से कहा – तुम मुझे क्यों मारते हो?
बल्ले ने कहा – मारूँ नहीं तो खेल कैसे हो?

गेंद जब बल्ले के पास आई तो उसने उसे ज़ोर से मारा।

गेंद कुदकती-फुदकती दूर जाकर एक झाड़ी में छिप गई।

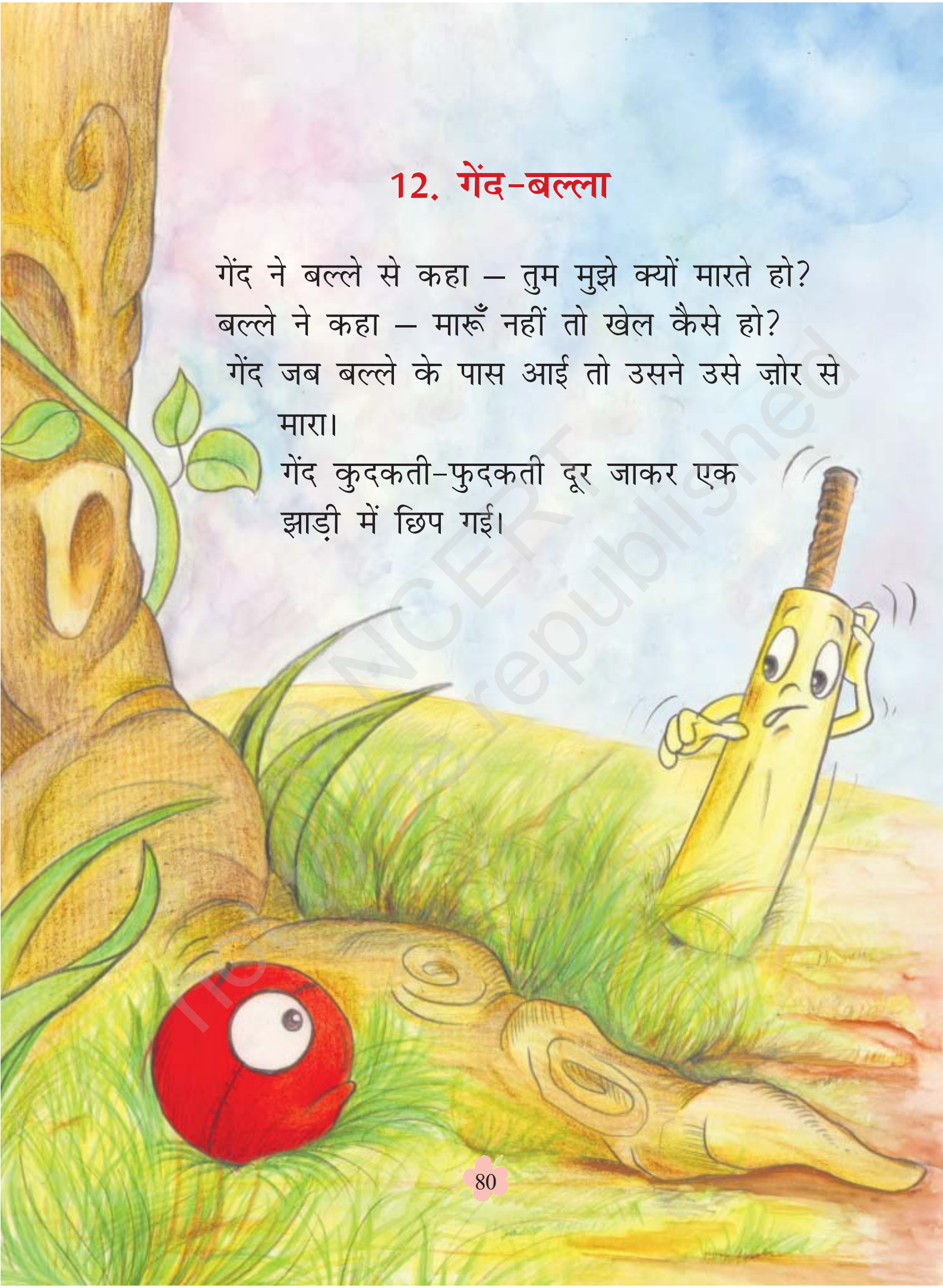

© NCERT not to be republished

बल्ला उसे ढूँढ़ता रहा, ढूँढ़ता रहा। ढूँढ़ते-ढूँढ़ते शाम हो गई। अँधेरा घिरने लगा। गेंद खुश थी कि बल्ला परेशान हो रहा है। बल्ला निराश होकर लौट चला।

तभी गेंद ने झाड़ी में से चिल्लाकर कहा – मैं यहाँ हूँ। आओ, मुझे ले लो।

बल्ले ने उसे झाड़ी के नीचे से खींचकर उठा लिया। गेंद ने कहा – देखो, अब मुझे मारना मत।

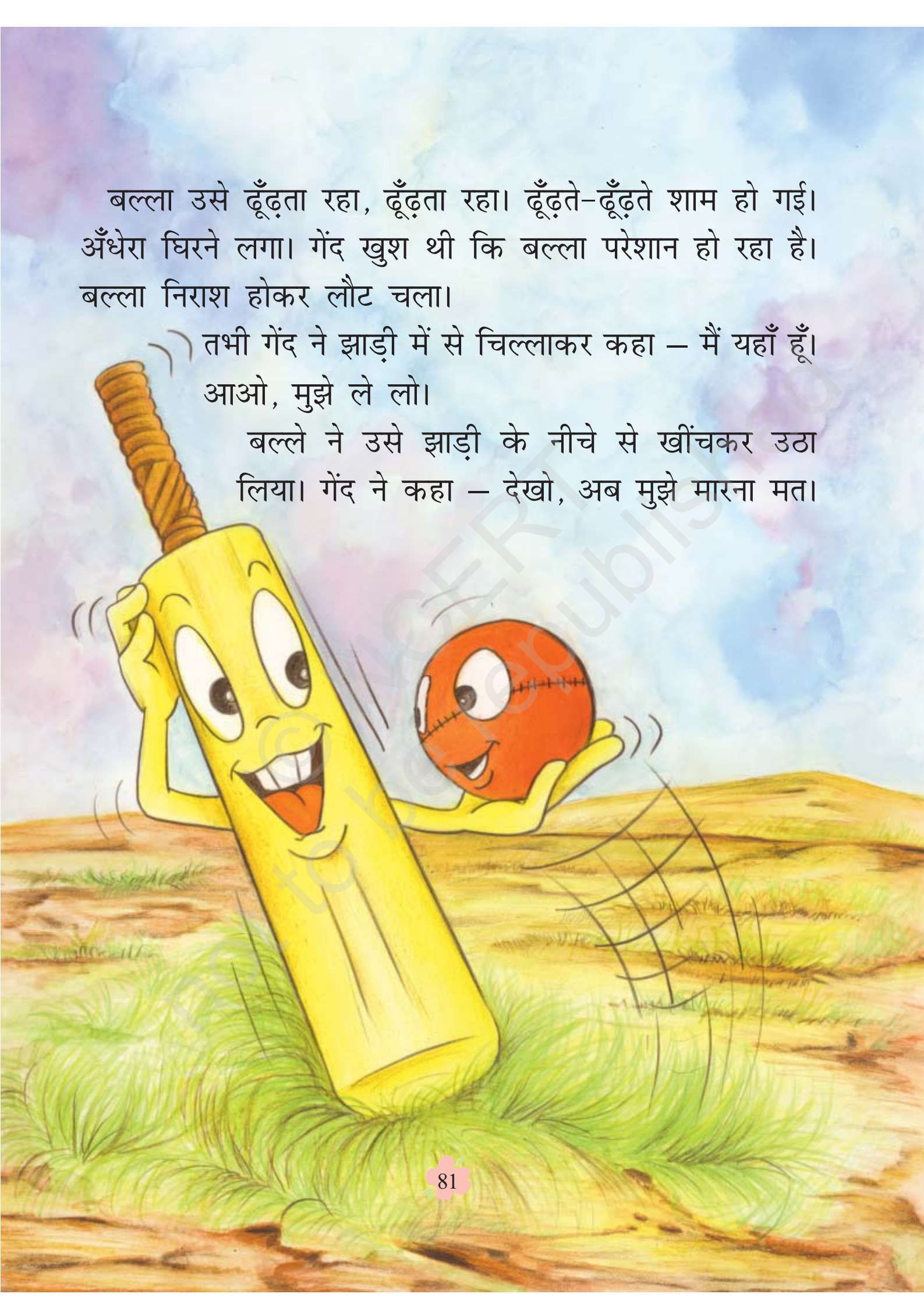

© NCERT not to be republished

गिल्ली डंडे के खेल में गिल्ली को डंडे से मारते हैं। कुछ और खेल बताओ, जिनमें एक चीज़ को दूसरी से मारा जाता है।

....

....

....

गेंद खो गई तो गेंद–बल्ला नहीं खेल पाएँगे।

गुल्ली खो गई तो .....

माँझा खो गया तो .....

पासा खो गया तो .....

चिड़ी खो गई तो .....

अगर तुम्हारे घर में गेंद खो गई तो कहाँ-कहाँ ढूँढ़ोगे?

....

....

....

© NCERT not to be republished

13. बंदर गया खेत में भाग

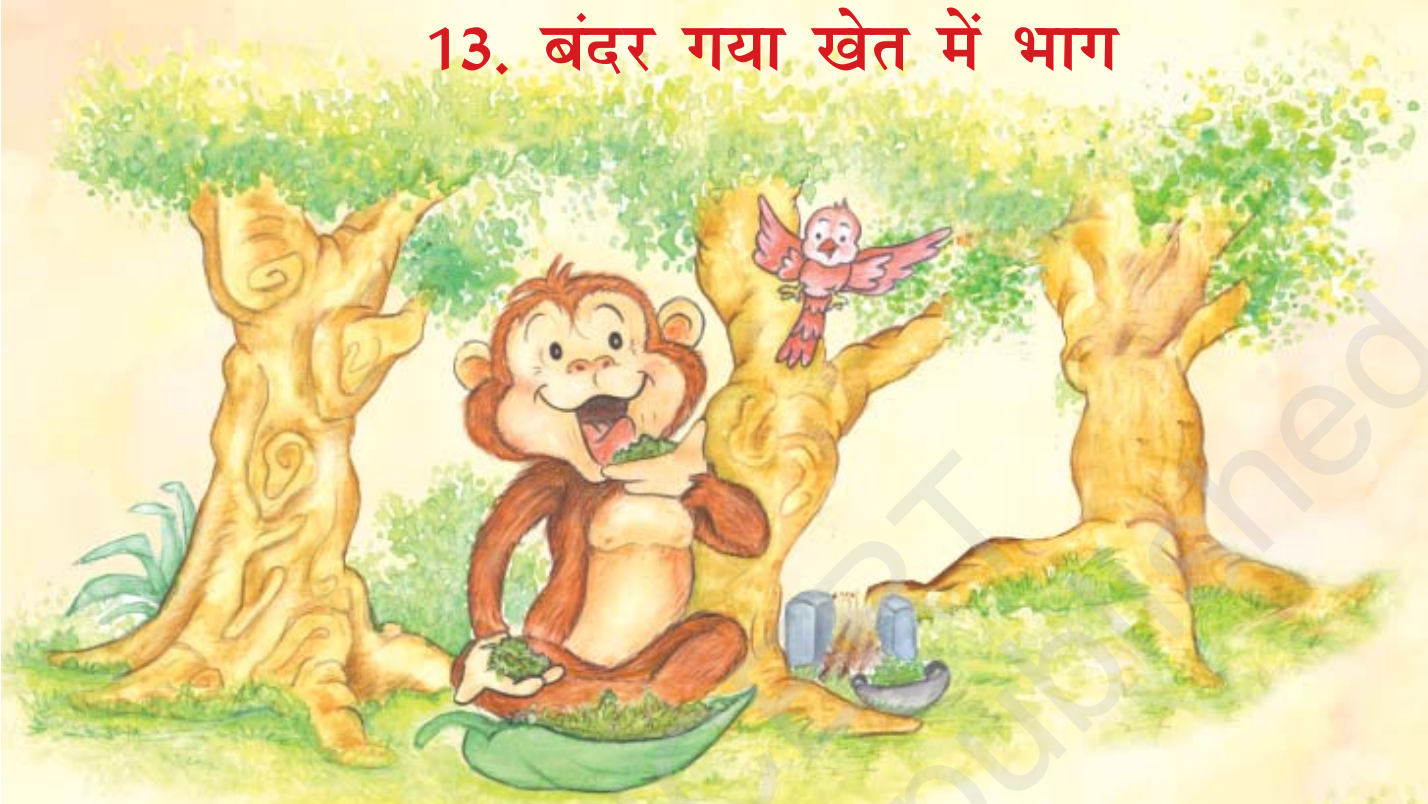

बंदर गया खेत में भाग,
चुट्टर-मुट्टर तोड़ा साग।

आग जलाकर चट्टर-मट्टर,
साग पकाया खद्दर-बद्दर।

सापड़-सूपड़ खाया खूब,
पोंछा मुँह उखाड़कर दूब।

चलनी बिछा, ओढ़कर सूप,
डटकर सोए बंदर भूप।

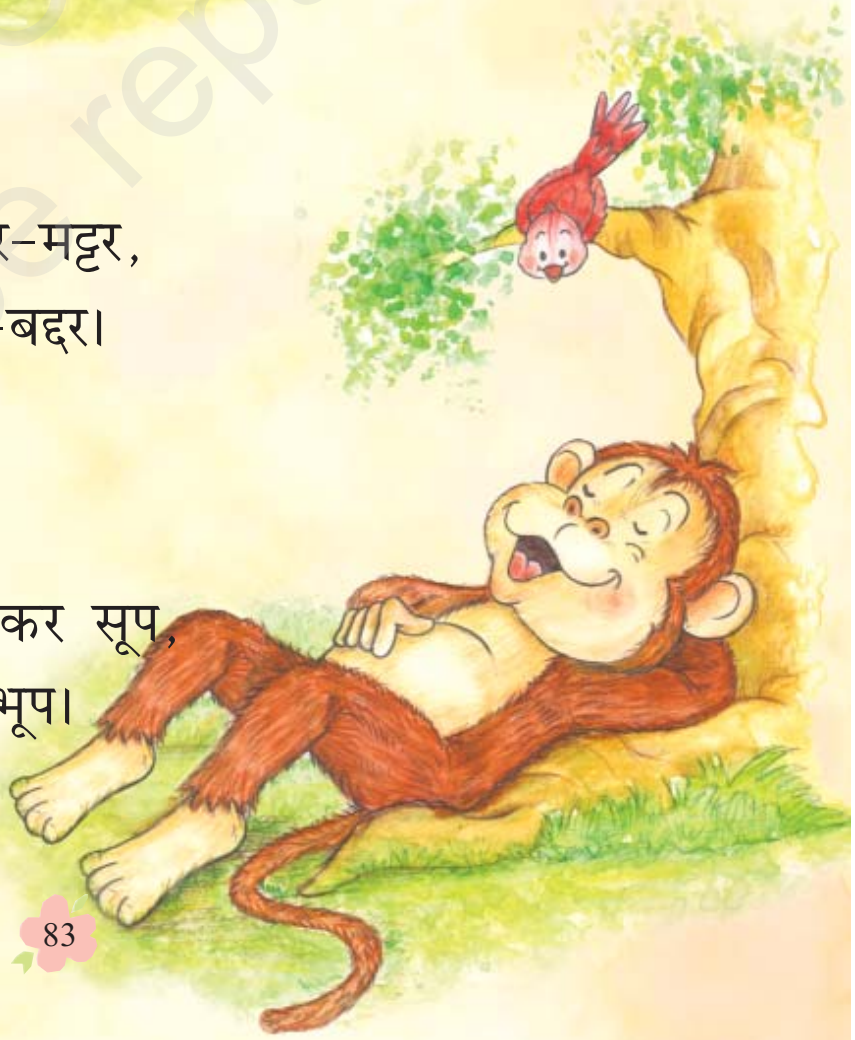

© NCERT not to be republished

क्या बिछाया, क्या ओढ़ा?

बंदर चलनी बिछाकर, सूप ओढ़कर सो गया।
लिखो, ये कैसे सोएँगे?

		क्या बिछाएँगे?	क्या ओढ़ेंगे?
हाथी	:	.....	.....
चींटी	:	.....	.....
गिलहरी	:	.....	.....
शेर	:	.....	.....

मेरे लिए भी तो कुछ सोचो
मैं क्या ओढ़ूँ? क्या बिछाऊँ?

झटपट झटपट, खटपट खटपट

साग पकाया	..... खद्दर बद्दर .....
खाया सबने	.....
पानी पिया	.....
मारे खर्राटे	.....
गिरे पलंग से	.....

© NCERT not to be republished

भागो, भागो, भागो!!

बंदर खेत से साग तोड़कर भागा। कौन-कौन से काम करने के बाद तुम्हें भागना पड़ता है?

.....

.....

.....

.....

.....

इसमें कितनी तरह की टोपियाँ और पगड़ियाँ हैं? बताओ।

© NCERT not to be republished

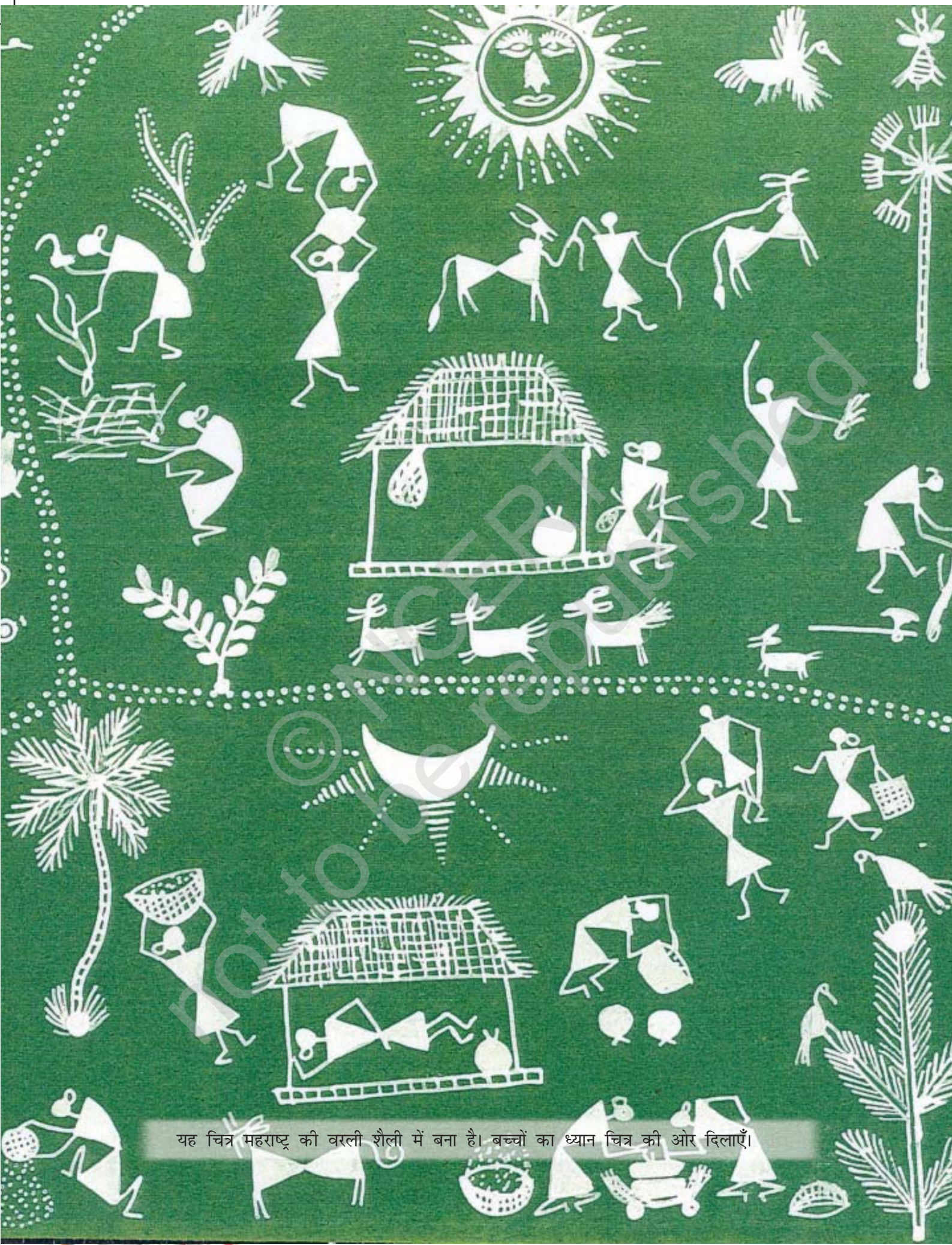

यह चित्र महाराष्ट्र की वरली शैली में बना है। बच्चों का ध्यान चित्र की ओर दिलाएँ।

© NCERT not to be republished

14. एक बुढ़िया

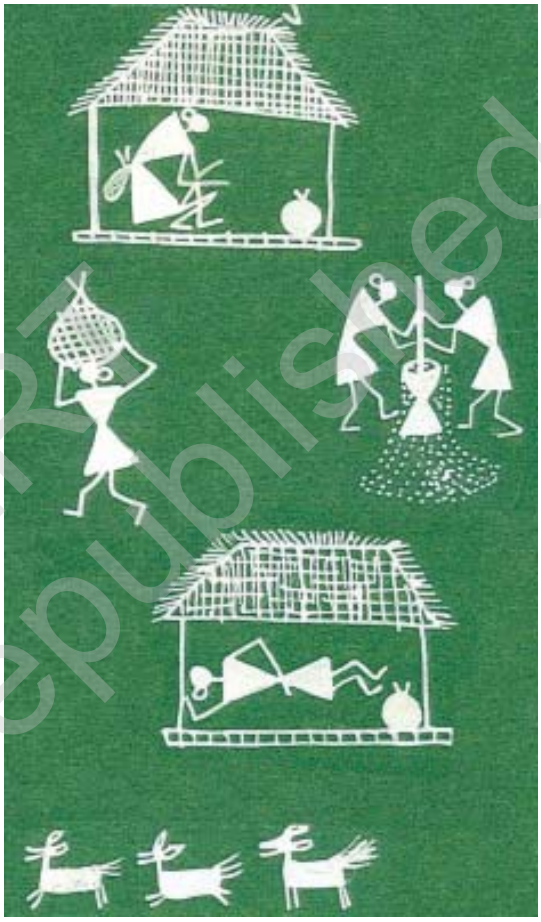

कहीं एक बुढ़िया थी जिसका
नाम नहीं था कुछ भी,
वह दिन भर खाली रहती थी
काम नहीं था कुछ भी।
काम न होने से उसको
आराम नहीं था कुछ भी,
दोपहरी, दिन, रात, सबेरे,
शाम नहीं थी कुछ भी।

© NCERT not to be republished

नाम बताओ, काम बताओ

बिना नामवाली बुढ़िया का कोई नाम रखो।

.....

वह दिन भर खाली रहती थी। उसके लिए कुछ काम सुझाओ।

....

....

....

काम करो कुछ काम करो

तुम्हारे घर में सबसे ज़्यादा काम कौन करता है?

....

तुम्हारे घर में सबसे ज़्यादा आराम कौन करता है?

....

© NCERT not to be republished

15. मैं भी...

एक अंडे में से बत्तख का बच्चा निकला।
लो, मैं अंडे में से निकल आया
बत्तख का बच्चा बोला।

एक और अंडे में से मुर्गी का चूज़ा
निकला। मैं भी आ गया –
चूज़ा बोला।

मैं घूमने जा रहा हूँ –
बत्तख का बच्चा बोला।
मैं भी चलूँगा – चूज़ा बोला।

मैं गड्ढा खोद रहा हूँ –
बत्तख का बच्चा बोला।
मैं भी खोदूँगा –
चूज़ा बोला।

© NCERT not to be republished

मुझे एक केंचुआ मिला – बत्तख का बच्चा बोला।
मुझे भी – चूज़ा बोला।

मैंने एक तितली पकड़ी –
बत्तख का बच्चा बोला।

मैंने भी तितली पकड़ी –
चूज़ा बोला।

मैं तैरना चाहता हूँ – बत्तख का
बच्चा बोला।
मैं भी – चूज़ा बोला।

देखो मैं तैर रहा हूँ –
बत्तख का बच्चा बोला।

© NCERT not to be republished

मैं भी तैरूँगा –
चूज़ा बोला।

बचाओ... चूज़ा डूबते
हुए चिल्लाया।

बत्तख के बच्चे ने चूज़े को पानी
से बाहर निकाला।

© NCERT not to be republished

नाम दो

चूज़ा बार-बार बत्तख के बच्चे की नकल करता रहता था।
उसे चिढ़ानेवाला एक नाम दो।

..... चूज़ा।

क्या डूबेगा-क्या तैरेगा?

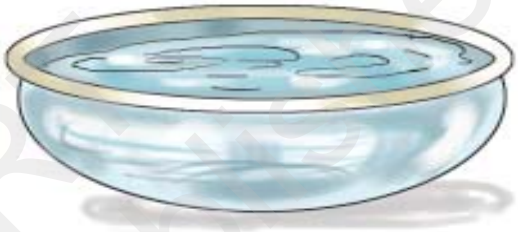

करके देखो और निशान लगाओ

चीज़ें	डूबेगा	तैरेगा
चॉक	√	
पत्थर		
रूई		
कागज़		
टहनी		
पेंसिल		
छीलनी		

© NCERT not to be republished

16. लालू और पीलू

एक मुर्गी थी। मुर्गी के दो चूज़े थे।

एक का नाम था लालू। दूसरे का नाम था पीलू।

लालू लाल चीज़ें खाता था।

पीलू पीली चीज़ें खाता था।

एक दिन लालू ने एक पौधे पर कुछ लाल-लाल देखा।

लालू ने उसे खा लिया।

अरे, यह तो लाल मिर्च थी!

© NCERT not to be republished

लालू की जीभ जलने लगी। वह रोने लगा।
मुर्गी दौड़ी हुई आई। पीलू भी भागा। वह पीले-पीले गुड़ का टुकड़ा ले आया।

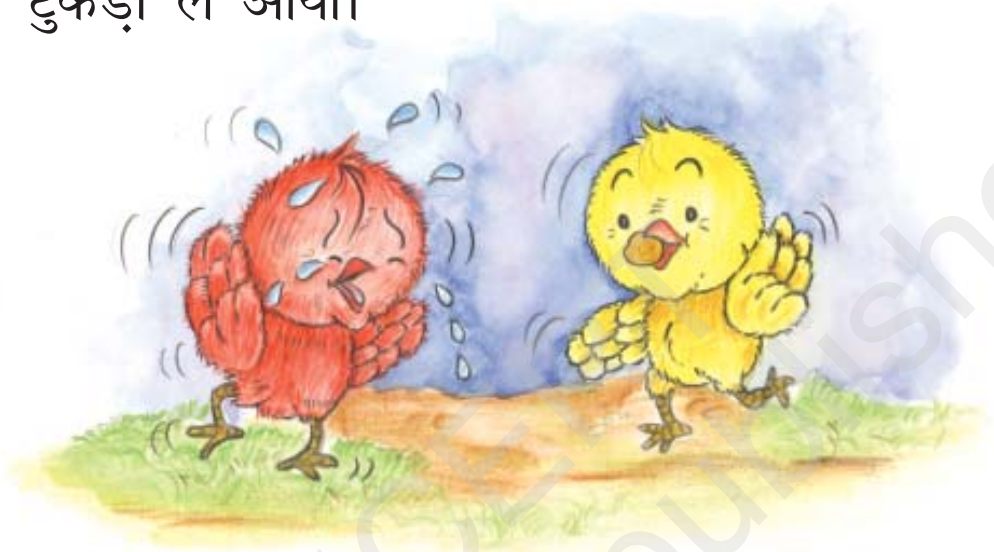

लालू ने झट गुड़ खाया। उसके मुँह की जलन ठीक हो गई।
मुर्गी ने लालू और पीलू को लिपटा लिया।

© NCERT not to be republished

क्या होता?

अगर लालू और पीलू को सफ़ेद और हरी चीज़ें पसंद होतीं तो क्या उनके नाम अलग-अलग होते?

.....

फिर वे क्या-क्या खाते?

....

....

....

....

लाल मिर्च खाते ही लालू की जीभ जल गई। तुम्हारी जीभ क्या-क्या खाने-पीने से जलती है?

....

....

जीभ जलने पर तुम क्या करते हो?

.....

.....

.....

© NCERT not to be republished

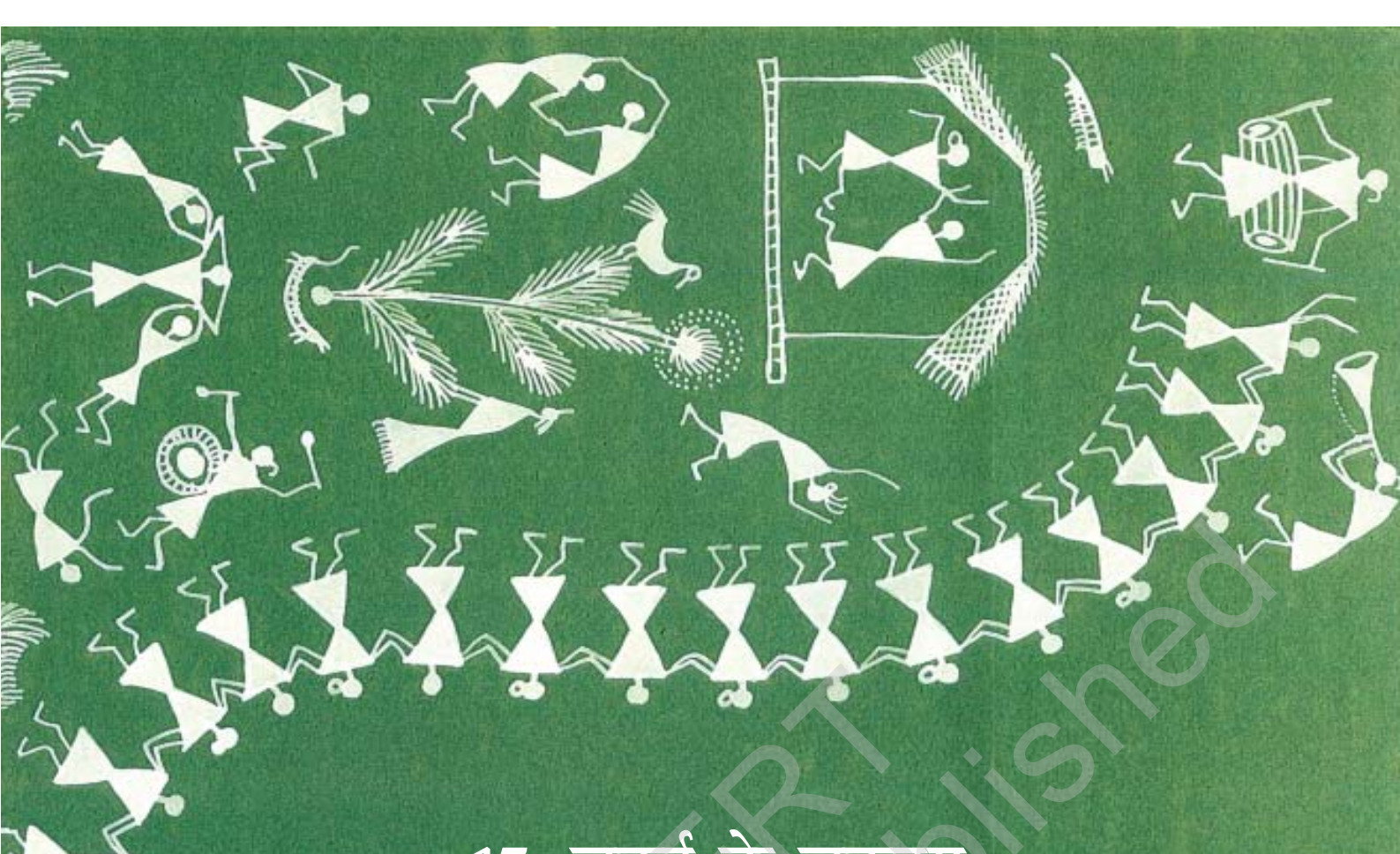

17. चकई के चकदुम

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!
गाँव की मड़ैया, साथ रहें हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!
ग्वाले की गैया, दूध पिएँ हम-तुम।

© NCERT not to be republished

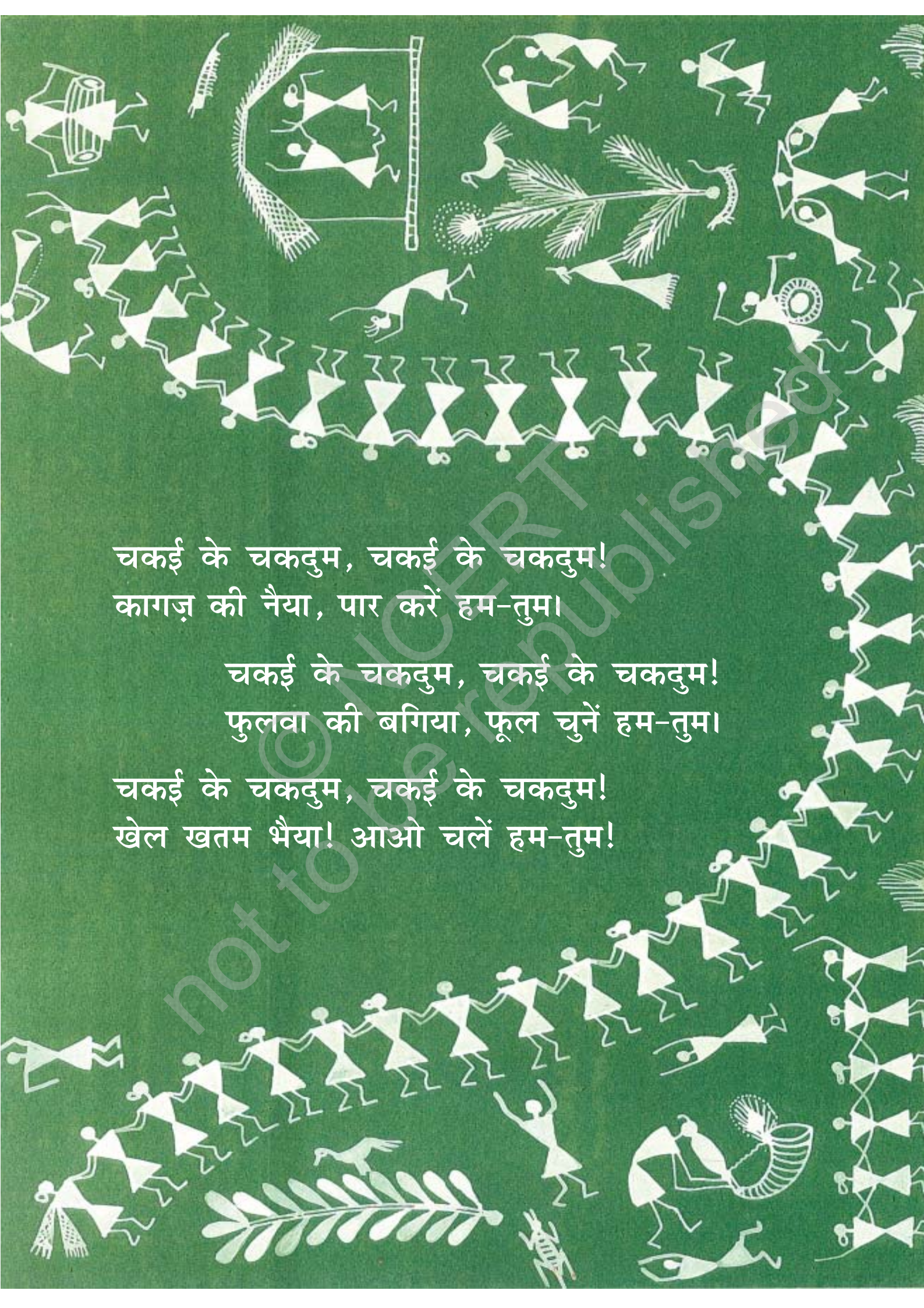

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!
कागज़ की नैया, पार करें हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!
फुलवा की बगिया, फूल चुनें हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!
खेल खतम भैया! आओ चलें हम-तुम!

© NCERT not to be republished

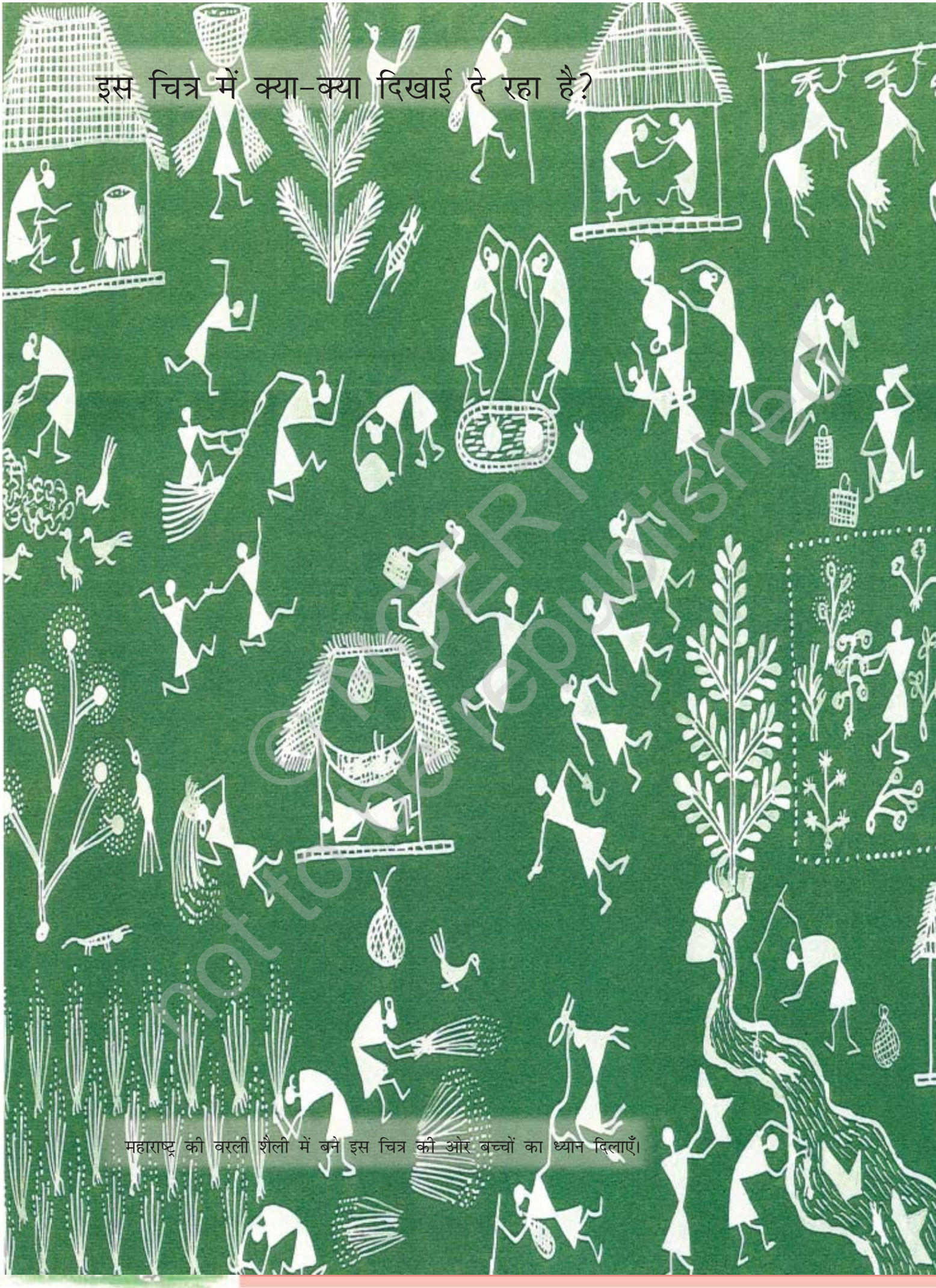

इस चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?

महाराष्ट्र की वरली शैली में बने इस चित्र की ओर बच्चों का ध्यान दिलाएँ।

© NCERT not to be republished

हम-तुम, तुम-हम

चकई के चकदुम, कवि बनें हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम
अम्माँ की रसोई, खाना खाएँ हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम

.....

चकई .....

चकई के.....

अब बनाकर देखो

पढ़ो और उसका चित्र बनाओ।

कागज़ की नैया,
पार करें हम-तुम।

गाँव की मड़ैया,
साथ रहें हम-तुम।

फुलवा की बगिया,
फूल चुनें हम-तुम।

© NCERT not to be republished

18. छोटी का कमाल

समरसिंह थे बहुत अकड़ते,
छोटी, कितनी छोटी।
मैं हूँ आलू भरा पराँठा,
छोटी पतली रोटी।
मैं हूँ लंबा, मोटा तगड़ा,
छोटी पतली दुबली।
मैं मोटा पटसन का रस्सा,
छोटी कच्ची सुतली।
लेकिन जब बैठे सी-सॉ पर,
होश ठिकाने आए,
छोटी जा पहुँची चोटी पर,
समरसिंह चकराए।

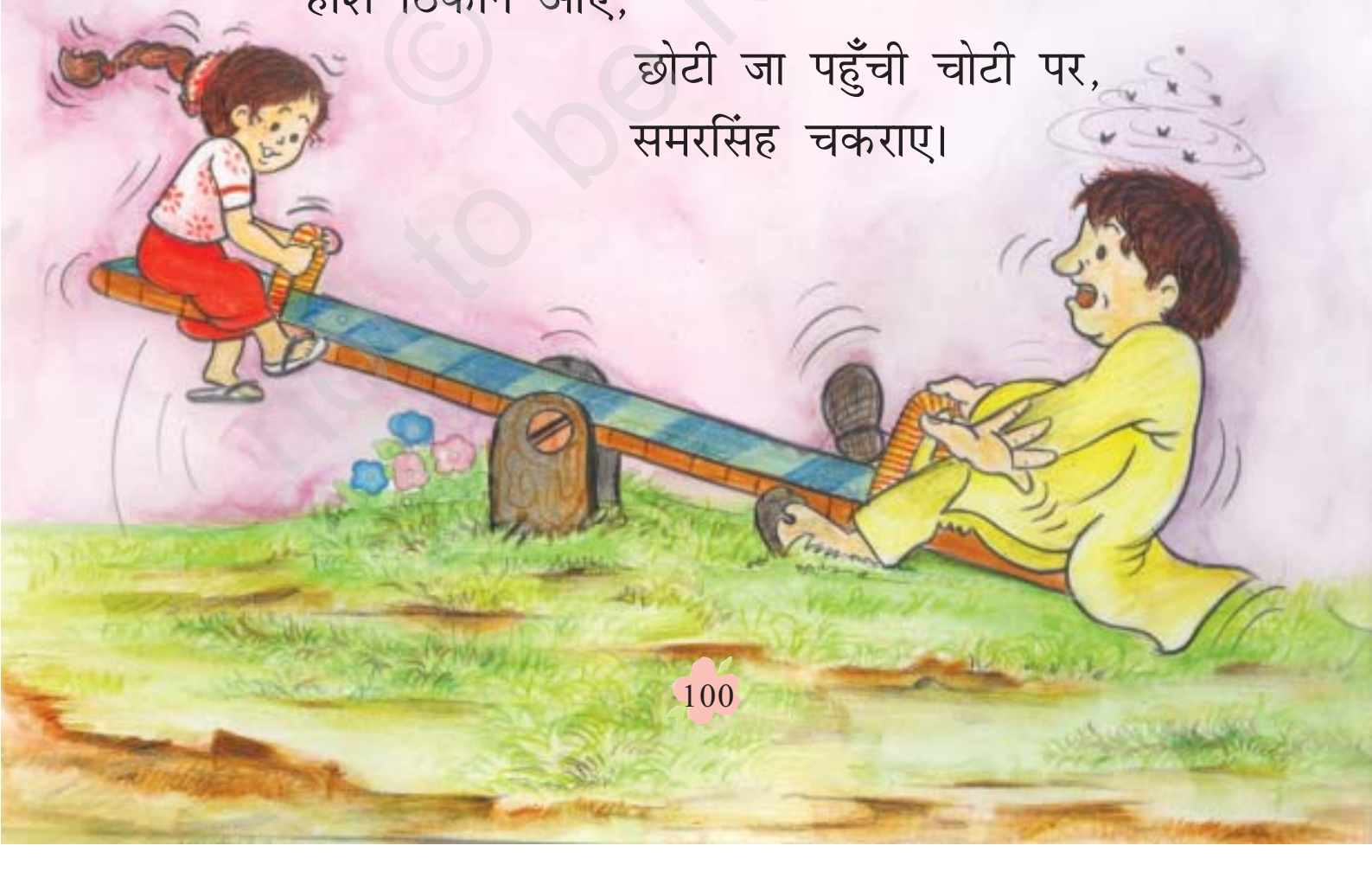

© NCERT not to be republished

पहुँचेगा कौन चोटी पर?

मोटा-तगड़ा समरसिंह नीचे रह गया।
पतली-दुबली छोटी ऊपर पहुँच गई।

बताओ इनमें से कौन ऊपर जाएगा, कौन नीचे रह जाएगा?

तुम तुम्हारा दोस्त/सहेली

गोला लगाओ?

समरसिंह बहुत अकड़ते थे। इनमें से कौन-कौन अकड़ेगा?

राजा कक्षा का मॉनीटर सुहानी

पहलवान शेर चोर तुम्हारा दोस्त

- बच्चों से सी-सॉ पर चित्र बनवाए जा सकते हैं। बच्चों से पूछें सी-सॉ को वे अपनी भाषा में क्या कहते हैं?

© NCERT not to be republished

19. चार चने

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना तोते को खिलाते।
तोते को खिलाते तो टाँय-टाँय गाता,
टाँय-टाँय गाता तो बड़ा मज़ा आता।

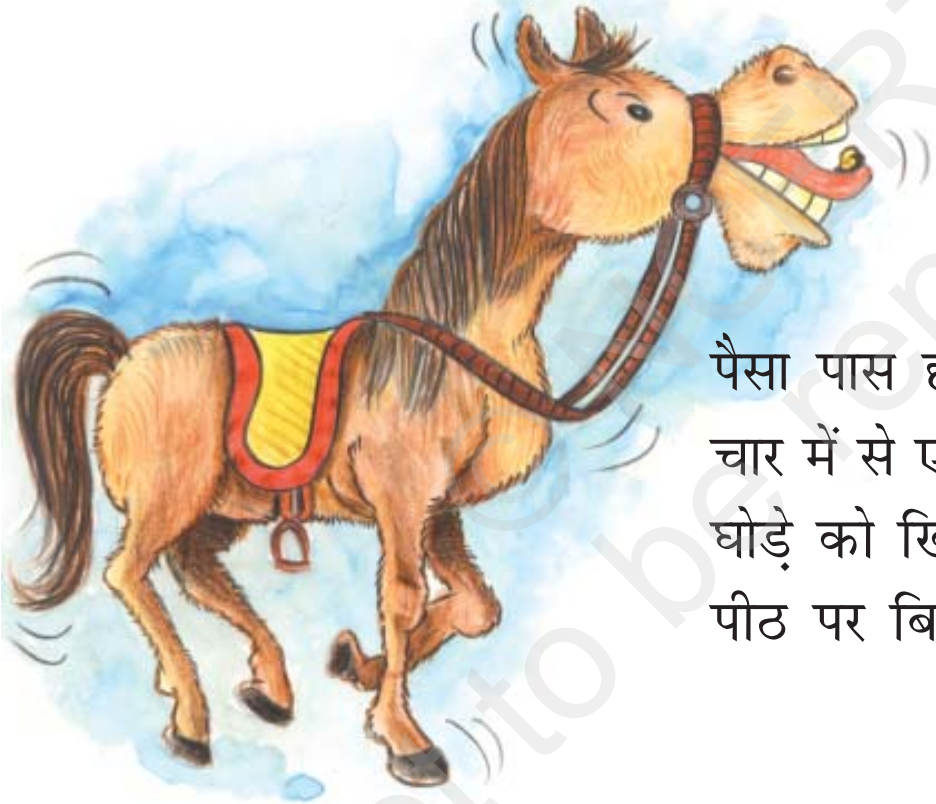

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना घोड़े को खिलाते।
घोड़े को खिलाते तो पीठ पर बिठाता,
पीठ पर बिठाता तो बड़ा मज़ा आता।

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना चूहे को खिलाते।
चूहे को खिलाते तो दाँत टूट जाता,
दाँत टूट जाता तो बड़ा मज़ा आता।

© NCERT not to be republished

चार चने होते तो

चार चने देकर इनसे क्या-क्या करवाया जा सकता है?

माली – .....

हलवाई – .....

दीदी – .....

दोस्त – .....

किसने खाया?

चार चने में से

एक चना ..... को खिलाया।

दूसरा चना ..... ।

तीसरा चना ..... ।

एक चना बच गया, उसे किसे खिलाओगे?

.....

.....

© NCERT not to be republished

20. भगदड़

बुढ़िया चला रही थी चक्की,
पूरे साठ वर्ष की पक्की।
दोने में थी रखी मिठाई,
उस पर उड़कर मक्खी आई।

बुढ़िया बाँस उठाकर दौड़ी,
बिल्ली खाने लगी पकौड़ी।

झपटी बुढ़िया घर के अंदर,
कुत्ता भागा रोटी लेकर।

© NCERT not to be republished

बुढ़िया तब फिर निकली बाहर,
बकरा घुसा तुरंत ही भीतर।
बुढ़िया चली, गिर गया मटका,
तब तक वह बकरा भी सटका।

बुढ़िया बैठ गई तब थककर,
सौंप दिया बिल्ली को ही घर।

बिहार की मधुबनी शैली पर बने इन चित्रों पर बच्चों से बातचीत करें।

© NCERT not to be republished

कौन-कौन आया?

बुढ़िया को परेशान करने कौन-कौन आया? चित्र बनाओ।

कौन किसके साथ? मिलाओ।

बुढ़िया	पकौड़ी
मक्खी	रोटी
बिल्ली	चक्की
कुत्ता	मिठाई

कविता में किसके बाद कौन आया?

सबसे पहले .....

उसके बाद .....

उसके बाद .....

अंत में .....

बच्चों से पूछें इस कविता का नाम भगदड़ क्यों रखा गया होगा?

© NCERT not to be republished

21. हलीम चला चाँद पर

© NCERT not to be republished

चलते-चलते अँधेरा हो गया।
हलीम को डर लगने लगा।
उसको तो चाँद तक का
रास्ता पता नहीं था।

थोड़ी देर में उसने
चाँद देखा और
वह खुश हो गया।

© NCERT not to be republished

चाँद पर हलीम को
खूब सारे गड्ढे दिखे
और बड़े-बड़े पहाड़
भी। लेकिन वहाँ
कोई पेड़ या
जानवर नहीं थे।
लोग भी नहीं।

हलीम ने सोचा – ये
भी कोई जगह है!

चलो वापिस घर चलें।
वह रॉकेट में बैठकर
घर लौट आया।

© NCERT not to be republished

रास्ते में क्या देखा?

हलीम को रास्ते में क्या-क्या दिखा होगा?

....

....

....

....

कहाँ जाओगे?

हलीम चाँद पर जाना चाहता था। तुम कहाँ जाना चाहती हो? कैसे जाओगी?

कहाँ	कैसे

© NCERT not to be republished

डर

हलीम को अँधेरे से डर लगता था।

तुम्हें कब-कब डर लगता है?

....

....

फिर तुम क्या करते हो?

.....

.....

चाँद और सूरज का चित्र बनाओ।

© NCERT not to be republished

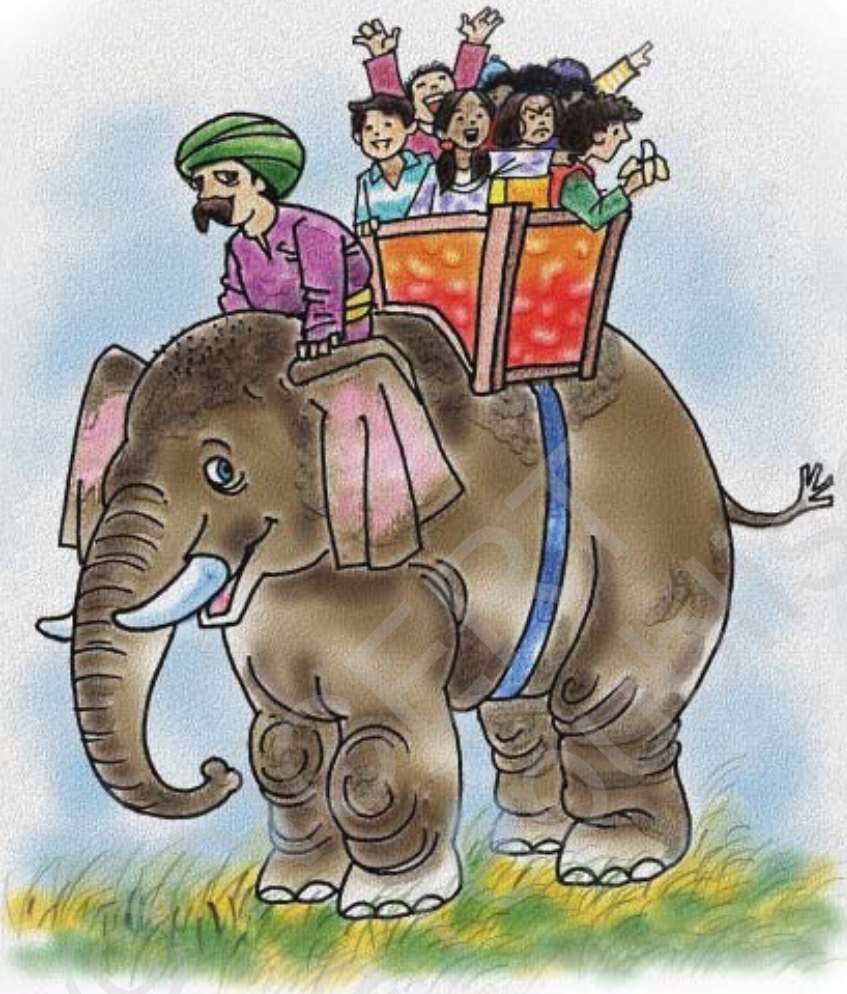

22. हाथी चल्लम चल्लम

हल्लम हल्लम हौदा, हाथी चल्लम चल्लम,
हम बैठे हाथी पर, हाथी हल्लम हल्लम।

लंबी लंबी सूँड़ फटाफट, फट्टर फट्टर
लंबे लंबे दाँत खटाखट, खट्टर खट्टर।

भारी भारी मूँड़ मटकता, झम्मम झम्मम,
हल्लम हल्लम हौदा, हाथी चल्लम चल्लम।

© NCERT not to be republished

पर्वत जैसी देह थुलथुली, थल्लल थल्लल
हालर हालर देह हिले, जब हाथी चल्लल
खंभे जैसे पाँव धपाधप, बढ़ते घम्मम,
हल्लम हल्लम हौदा, हाथी चल्लम चल्लम।

हाथी जैसी नहीं सवारी, अग्गड़-बग्गड़
पीलवान पुच्छन बैठा है, बाँधे पग्गड़
बैठे बच्चे बीच सभी हम, डग्गम डग्गम,
हल्लम हल्लम हौदा, हाथी चल्लम चल्लम।

दिनभर घूमेंगे हाथी पर, हल्लर हल्लर
हाथी दादा, ज़रा नाच दो, थल्लर थल्लर
अरे नहीं, हम गिर जाएँगे घम्मम घम्मम,
हल्लम हल्लम हौदा, हाथी चल्लम चल्लम।

© NCERT not to be republished

हाथी मेरे साथी

बताओ तो जानें!

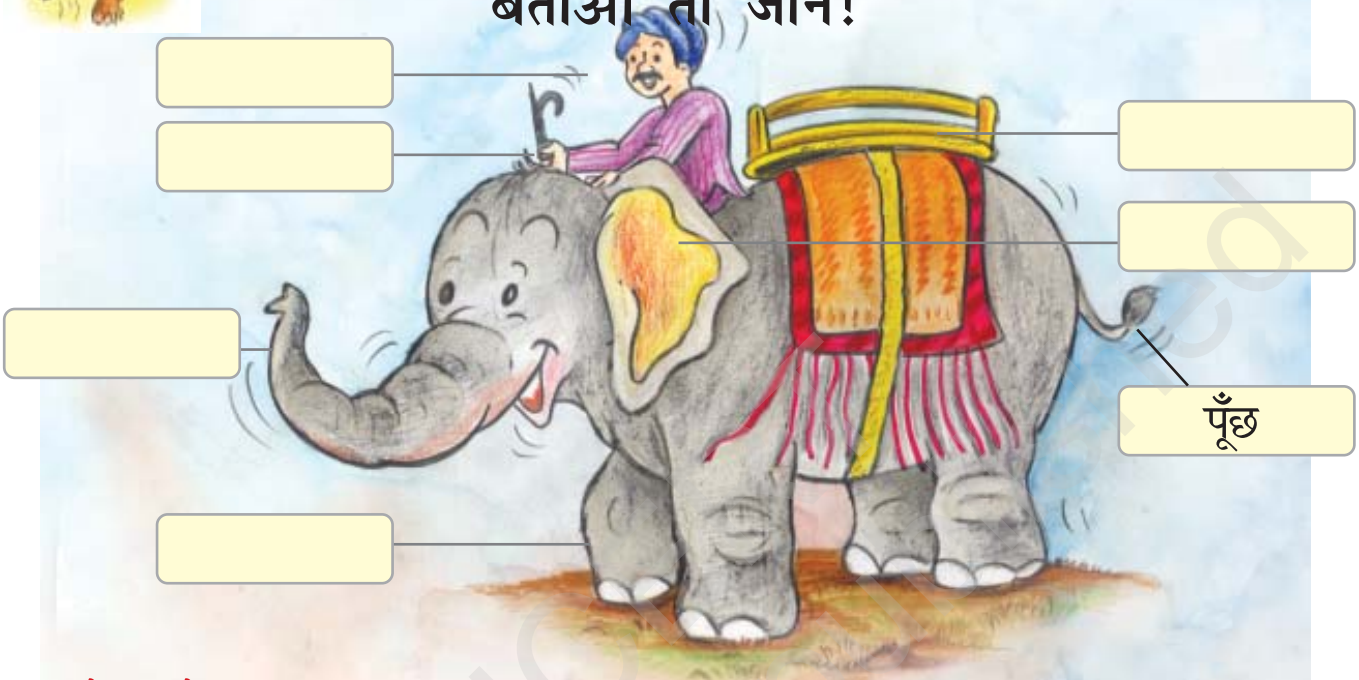

कौन कैसा?

कविता पढ़कर बताओ।

हाथी चल्लम ..... चल्लम

सूँड़ .....

.... दाँत

.... सूँड़

देह .....

पाँव .....

बच्चे .....

© NCERT not to be republished

© NCERT not to be republished

23. सात पूँछ का चूहा

एक था चूहा। उस चूहे की सात पूँछें थीं।
सब उसे चिढ़ाते – सात पूँछ का चूहा, सात पूँछ का चूहा।
तंग आकर चूहा गया नाई के पास। उसने नाई से कहा – ए नाई, मेरी एक पूँछ काट दो।
नाई ने एक पूँछ काट दी। अब उसके पास बची सिर्फ़ छह पूँछें।
अगले दिन जैसे ही चूहा बाहर निकला, सब उसे चिढ़ाने लगे छह पूँछ का चूहा, छह पूँछ का चूहा।
चूहा फिर से तंग आ गया। वह गया नाई के पास।
उसने कहा – ए नाई, मेरी एक पूँछ और काट दो।
नाई ने एक पूँछ और काट दी। अब उसके पास बचीं सिर्फ़ पाँच पूँछें।

© NCERT not to be republished

पर अगले दिन सब उसे फिर से चिढ़ाने लगे – पाँच पूँछ का चूहा, पाँच पूँछ का चूहा।

चूहा गया नाई के पास – ए नाई, मेरी एक पूँछ और काट दो। नाई ने एक पूँछ और काट दी। अब उसके पास बचीं सिर्फ़ चार पूँछें।

पर सब उसे फिर से चिढ़ाने लगे – चार पूँछ का चूहा, चार पूँछ का चूहा।

चूहा गया नाई के पास। नाई ने एक पूँछ और काट दी। अब उसके पास बचीं सिर्फ़ तीन पूँछें।

© NCERT not to be republished

पर सब उसे चिढ़ाते तीन पूँछ का चूहा, तीन पूँछ का चूहा।
चूहा गया नाई के पास।
नाई ने एक पूँछ और काट दी। अब उसके पास बचीं दो ही पूँछें।
पर सब उसे चिढ़ाते – दो पूँछ का चूहा, दो पूँछ का चूहा।
तो चूहा गया नाई के पास। नाई ने एक पूँछ और काट दी।
अब वह एक पूँछ का चूहा हो गया।
पर सब उसे चिढ़ाते। एक पूँछ का चूहा, एक पूँछ का चूहा।
तो चूहा गया नाई के पास। नाई ने आखिरी पूँछ भी काट दी। अब पूँछ ही नहीं बची।
लेकिन फिर भी सब चूहे को चिढ़ाते – बिना पूँछ का चूहा, बिना पूँछ का चूहा।

© NCERT not to be republished

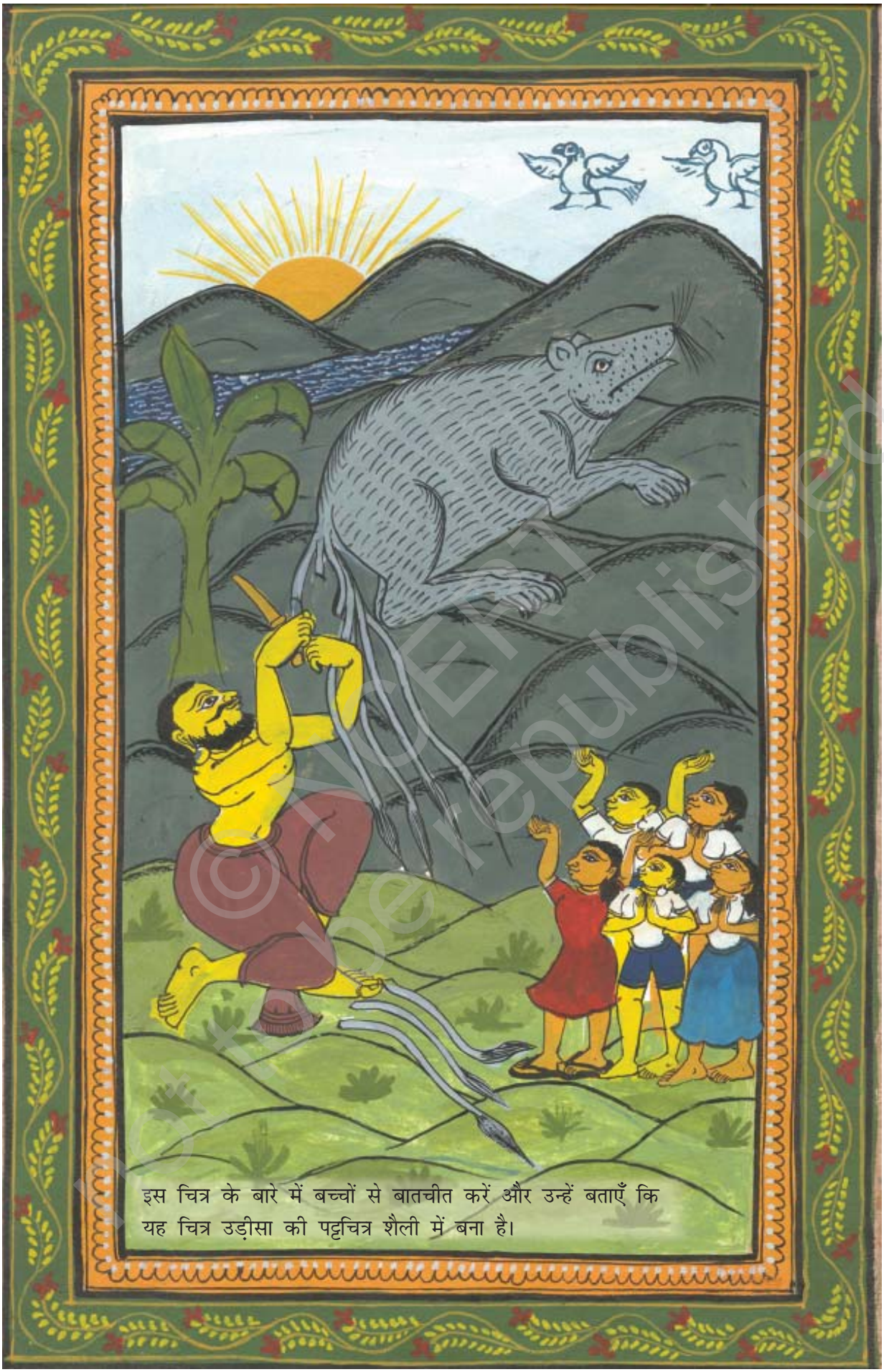

इस चित्र के बारे में बच्चों से बातचीत करें और उन्हें बताएँ कि यह चित्र उड़ीसा की पट्टचित्र शैली में बना है।

© NCERT not to be republished

क्या होता अगर?

चूहे ने बेकार ही सातों पूँछें कटवा लीं। सोचो तो, सात पूँछों से वह कितना सारा काम कर लेता। बताओ ये क्या-क्या कर पाते अगर–

- हाथी के पास चार सूँड़ होती तो...

  .....

  .....

- बंदर की तीन पूँछ होती तो...

  .....

  .....

- ऊँट की गर्दन खूब-खूब लंबी होती तो...

  .....

  .....

- तुम्हारे चार हाथ होते तो तुम क्या-क्या कर लेते?

  .....

  .....

© NCERT not to be republished

बिना पूँछ के, अब क्या होगा?

रंग-बिरंगे कागज़ के टुकड़े करके चूहे के चित्र में चिपकाओ।

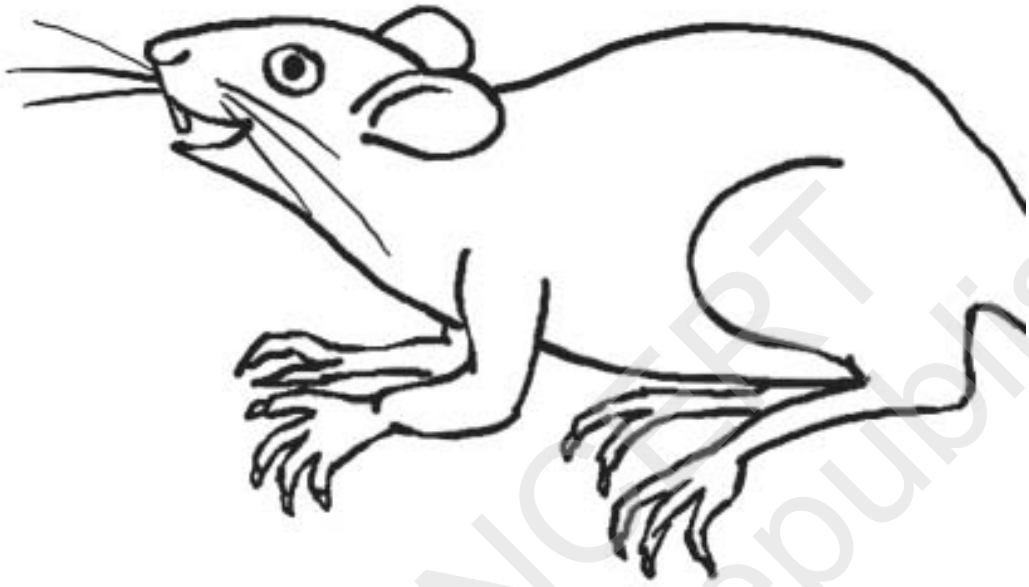

चूहा तो पूँछकटा चूहा हो गया। बिना पूँछ के वह क्या नहीं कर पाएगा?

.....

.....

.....

.....

.....

© NCERT not to be republished

वर्णमाला

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण ड़ ढ़

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह

क्ष त्र ज्ञ

© NCERT not to be republished